



अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित, लखनऊ, कानपुर, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, जौनपुर, वाराणसी, गाजीपुर में प्रसारित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार 11 जुलाई 2026 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के विपक्ष के नेता से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

ऑस्ट्रेलिया
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी तीन दिवसीय ऑस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान सिडनी और मेलबर्न में कई महत्वपूर्ण द्विपक्षीय व रणनीतिक बैठकें कीं। अपनी यात्रा के अंतिम चरण में शुक्रवार को पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के विपक्ष के नेता एंगस टेलर से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों और भविष्य की योजनाओं पर सार्थक चर्चा की। यह बैठक दशाती है कि भारत के साथ मजबूत रिश्तों को लेकर ऑस्ट्रेलिया में दलगत सीमाओं से परे (क्रॉस-पार्टी) व्यापक समर्थन हासिल है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच हाएक्सट्रह्न पर कहा, हाइडउन्होंने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के बढ़ते आयामों पर सार्थक चर्चा की। गर्मजोशी एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई यह बैठक भारत के साथ संबंधों को और गहरा करने के लिए ऑस्ट्रेलिया में दलगत सीमाओं से परे व्यापक समर्थन को दशाती है।

मोदी ने भी इस मुलाकात का विवरण साझा करते हुए सोशल मीडिया पर एक हापोस्टह्न साझा की। उन्होंने लिखा, हाइडऑस्ट्रेलिया के विपक्ष के नेता एंगस टेलर से मुलाकात की। हमने मजबूत होते भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों और आगे मौजूद अनेक अवसरों पर सार्थक बातचीत की। हमारी साझेदारी को पूरे ऑस्ट्रेलिया में जो व्यापक समर्थन मिल रहा है, मैं उसे बहुत महत्व देता हूँ।

प्रधानमंत्री इंडोनेशिया की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद आठ जुलाई को ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे। यहां से उनका न्यूजीलैंड जाने का कार्यक्रम है जो उनकी तीन देशों की छह दिवसीय यात्रा का अंतिम चरण होगा। ऑस्ट्रेलिया की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान दोनों देशों ने असेन्य परमाणु ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा



और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्रों से जुड़े कई ऐतिहासिक समझौतों पर मुहर लगाई। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज के साथ शिखर वार्ता की। दोनों नेताओं ने शांतिपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने में द्विपक्षीय साझेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका को दोहराया। दोनों नेताओं के बीच शिखर वार्ता का एक प्रमुख पहलू यह रहा कि उन्होंने रक्षा संबंधों, विशेषकर समुद्री क्षेत्र में सहयोग को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने पर जोर दिया। दो साल से अधिक समय तक चली बातचीत के बाद असेन्य परमाणु ऊर्जा संबंधी एक समझौते पर मुहर लगाई गई। इसका मकसद भारत की परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की वाणिज्यिक आपूर्ति सुगम बनाना है। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने प्रस्तावित व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते तथा द्विपक्षीय निवेश

संरक्षण ढांचे को जल्द अंतिम रूप देने के लिए तेजी से काम करने का निर्णय लिया ताकि व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत किया जा सके। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच शिखर वार्ता के बाद जिन 18 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, उनमें सुरक्षा सहयोग पर संयुक्त घोषणा, समुद्री सुरक्षा सहयोग रूपरेखा, ऊर्जा सुरक्षा पर संयुक्त बयान तथा शूअबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़ी साझेदारी शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रस्तावित भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते को जल्द अंतिम रूप देने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों को और गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम हॉमेलबर्न मीट्स मोदीह्न को भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज भी शामिल हुए।

अयोध्या में सपा-कांग्रेस पर बरसे सीएम योगी



उत्तर प्रदेश
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि ये पार्टियां भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाती रही हैं और जो लोग अब आस्था की बात कर रहे हैं, उन्होंने ही अयोध्या में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ने की कोशिश की थी। अयोध्या में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग अब भगवान राम और आस्था की बात कर रहे हैं, उन्होंने ही हाल ही में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ने की कोशिश की थी। अपनी आलोचना को और तेज करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दलों ने हमेशा अयोध्या के विकास का विरोध किया है और उन प्रोजेक्ट्स का मजाक भी उड़ाया है जो अब हकीकत बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि किसी ने सोचा भी नहीं था कि अयोध्या में एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। समाजवादी पार्टी के नेता इस विचार का मजाक उड़ाते थे।

अमित शाह का बड़ा ऐलान: असामान्य जनसांख्यिकीय बदलावों पर लगेगी रोक

नई दिल्ली
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे 119 जिलों के पुलिस अधीक्षकों की एक बैठक की अध्यक्षता की। सीमा सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए लागू किए जा रहे उपायों की समीक्षा करते हुए शाह ने कहा कि सरकार देश को घुसपैठ-मुक्त बनाने के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार कर रही है। उन्होंने कॉन्फ्रेंस में कहा कि असामान्य कारणों से होने वाली आबादी की बढ़ोतरी की पहचान करने और भविष्य में इसे रोकने के उपाय सुझाने के लिए डेमोग्राफिक मिशन शुरू किया गया है। मोदी



सरकार का संकल्प है कि आबादी में असामान्य कारणों से होने वाली बढ़ोतरी को रोका जाए। शाह ने कहा कि कॉन्फ्रेंस में सीमा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी, मौजूदा चुनौतियों के समाधान तलाश जाएंगे और सही नीतिगत उपाय तैयार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में, हम

तटीय सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में समग्र रूप से आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सीमा की सुरक्षा करने वाले बलों, राज्य और जिला प्रशासन, भारत सरकार के संबंधित अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों को एक साथ लाकर एक मजबूत चौतरफा सुरक्षा ग्रिड बना रही है।

बीच सुनवाई पहले जज पर फेके कागज



नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट में नाटकीय हालात देखने को मिले, जब इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने वाली अपनी याचिका पर सुनवाई के दौरान, खुद पेश हुए एक शिकायतकर्ता ने बेंच की तरफ कागजात फेंके और अपशब्द कहे। सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत कोर्ट रूम से बाहर निकाल दिया। यह घटना जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने हुई। कोर्ट रूम का माहौल तब तनावपूर्ण हो गया जब याचिकाकर्ता ने जजों से बात करते हुए असामान्य रूप से आक्रामक लहजा अपनाया। शिकायतकर्ता ने अपनी दलीलों की शुरुआत में कहा कि माननीय न्यायिक सेवक, बं में आपको लखनऊ के एसीपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देता हूं। इस टिप्पणी से

अचंभित होकर न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने पूछा कि आप मुझे आदेश दे रहे हैं? कोर्ट में जवाब देते हुए शिकायतकर्ता ने कहा कि मेरी तरफ से बस इतना ही है। सब कुछ रिकॉर्ड पर है। लाइव लॉ के अनुसार, इसके कुछ ही देर बाद मामला तब और बढ़ गया जब याचिकाकर्ता ने अपने केस के कागजात हवा में उछाल दिए और आरोप है कि चीफ जस्टिस के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत उस बेंच का हिस्सा नहीं थे। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत दखल दिया और उन्हें कोर्टरूम से बाहर निकालकर स्थिति को सामान्य किया। इस पूरी घटना के दौरान बेंच शांत रही और उसने इस गुस्से भरी प्रतिक्रिया पर कोई जवाब नहीं दिया।

यह दर्द कभी नहीं भूलेंगे 1 अगस्त से बंद पिंक टिकट, स्मार्ट कार्ड है अनिवार्य

करूर
करूर में मची भगदड़, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई थी और जिसका असर राज्य विधानसभा चुनाव पर भी पड़ा था, उसके नौ महीने बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय शुक्रवार को शहर लौटे। उन्होंने इस त्रासदी में अपनी भूमिका का बचाव किया, पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए और पिछली उड़्ड सरकार पर तीखा हमला किया। मुख्यमंत्री के तौर पर करूर के अपने पहले दौर पर पीड़ितों के परिवारों के सदस्यों को नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए आयोजित एक सभा को



संबोधित करते हुए, विजय ने भावुक होकर उस त्रासदी को याद किया और कहा कि उस नुकसान का बोझ आज भी उनके मन पर भारी है। प्रचारअभियान और चुनाव मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार करूर के दौरे पर आए उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति चाहे कितनी भी ऊंचाइयों पर क्यों न पहुंच जाए।

नई दिल्ली
1 अगस्त से, दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा का लाभ उठाने के लिए महिलाओं को पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड साथ रखना और उसे टैप करना जरूरी होगा। रेखा गुप्ता सरकार ने यह फैसला इसलिए लिया है क्योंकि वे मौजूदा पेपर-बेस्ड पिंक टिकटों को धीरे-धीरे बंद करने जा रहे हैं। उज्ज्व के एक सर्कुलर के अनुसार, पात्र महिला यात्रियों को 31 जुलाई तक पेपर पिंक टिकट जारी किए जाएंगे। हालांकि, 1 अगस्त से मुफ्त यात्रा की सुविधा केवल उन महिलाओं को



मिलेगी जिनके पास वैध पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड होगा और जो DTC और दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल ट्रांजिट सिस्टम द्वारा संचालित कलेंडर बसों में चढ़ते समय इसे टैप करेंगी। सर्कुलर में कहा गया है कि स्मार्ट कार्ड के बिना यात्रियों को 31 जुलाई के बाद पिंक टिकट जारी नहीं किए जाएंगे और इसके बजाय, उन्हें रेगुलर टिकट खरीदने होंगे और लागू किराया देना होगा।

कैसे अलग है?
पुराने सिस्टम में महिलाओं को हर बार बस में चढ़ने पर पेपर टिकट लेने के लिए कंडक्टर के पास जाना पड़ता था – अधिकारियों को यह प्रोसेस धीमा, मैनुअल और गलत इस्तेमाल की गुंजाइश वाला लगता था। पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड इस तरह प्रोसेस को डिजिटल बनाता है: यह एक पर्सनलाइज्ड ठउड (नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड) है जिस पर महिला की फोटो और एक यूनिक दफ कोड होता है, इसलिए बस में चढ़ते समय इसे सिर्फ एक बार टैप करना होता है, ठीक वैसे ही जैसे मेट्रो कार्ड काम करता है।

पारिवारिक कारणों से अभिषेक सिन्हा हटे, अब बीजेपी ने नीरज सिन्हा को मैदान में उतारा

बिहार
बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए बीजेपी ने शुक्रवार को नीरज कुमार सिन्हा को अपना उम्मीदवार बनाया, क्योंकि उनके पहले के उम्मीदवार अभिषेक सिन्हा ने चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया था। यह बदलाव पटना की हाई-प्रोफाइल सीट पर 30 जुलाई को होने वाले उपचुनाव से पहले हुआ है, जिससे बीजेपी, जन सुराज पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल के बीच एक दिलचस्प त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना बन गई है। बिहार बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी ने बिहार की बांकीपुर



विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को सम्मानित किया। नीरज कुमार सिन्हा ने कहा कि मैं बहुत खुश हूँ। मैं पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, प्रदेश अध्यक्ष, हमारे नेता नितिन नवीन जी, साथ ही अमित शाह जी और

नरेंद्र मोदी जी का बहुत आभारी हूँ। मैं उन सभी का शुक्रगुजार हूँ। मैंने बूथ मंत्री के तौर पर शुरुआत की थी; मैंने दो बार मंडल अध्यक्ष के रूप में सेवा की और युवा मोर्चा में जिला उपाध्यक्ष के तौर पर भी काम किया। मुझे बड़ी जीत का पूरा

भरोसा है। पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और आम जनता-जो बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में अपना आशीर्वाद बरसाने जा रही है-के साथ मिलकर काम करते हुए हम सफल होंगे। लोग हमारे नेतृत्व द्वारा किए गए कामों के आधार पर वोट देंगे। इससे पहले बिहार की राजधानी पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को जानकारी देते हुए सिन्हा ने कहा कि उन्होंने उपचुनाव की दौड़ से हटने के अपने फैसले के बारे में बीजेपी की राज्य इकाई के अध्यक्ष संजय सरावगी को बता दिया है। हालांकि, उन्होंने यह मौका देने के लिए पार्टी नेतृत्व का शुक्रिया अदा किया। न्यूज एजेंसी अठक के

मुताबिक, सिन्हा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने मुझे बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए ठउअ उम्मीदवार के तौर पर चुना था। इसके लिए मैं केंद्रीय और राज्य नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूँ। मैं विमम्रतापूर्वक आपको बताना चाहता हूँ कि पारिवारिक कारणों से मैं विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ पाऊंगा। मैं एक पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर निष्ठापूर्वक सेवा करता रहूंगा। बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव 30 जुलाई 2026 को होगा और वोटों की गिनती 3 अगस्त को की जाएगी।

नीतीश कुमार ने सम्राट को लगाई फटकार, बिहार में गिरने जा रही सरकार', तेज प्रताप का बड़ा दावा

बिहार
जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने सनसनीखेज दावा किया है। तेज प्रताप ने का कहना है कि बिहार में सरकार गिरने वाली है। यह दावा तेज प्रताप ने ऐसे वक्त में किया है जब बांकीपुर से बीजेपी के प्रत्याशी रहे अभिषेक सिन्हा ने अपना नामांकन वापस लिया है। हालांकि बीजेपी ने इस सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर नीरज कुमार अब अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। शुक्रवार (10 जुलाई, 2026) को शाम तेज प्रताप यादव



ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट करते हुए लिखा, "बिहार में बहुत जल्दी सरकार गिरने वाली है, और नीतीश कुमार ने सम्राट कहकर मुख्यमंत्री को फटकार लगाई है, ये मैंने आपको कहा था, भविष्यवाणी की थी, और मैं वृंदावन में हूँ, बहुत जल्दी बिहार में जो सरकार है, बदल जाएगी।"

बता दें कि आज सीएम सम्राट चौधरी ने एनडीए की बैठक बुलाई थी। इसमें एनडीए के सारे घटक दल के नेताओं को शामिल होना था। यह बैठक इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि बांकीपुर सीट पर उपचुनाव होना है। यह बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सीट है। एनडीए की बैठक में क्या कुछ हुआ इस पर बिहार बीजेपी के अध्यक्ष ने जानकारी दी है। संजय सरावगी ने कहा, "आज लोक सेवक आवास में सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में एनडीए दल की बैठक को संबोधित किया।

BCCI का बड़ा एलान, भारत बनाम नेपाल टी20 सीरीज का शेड्यूल जारी

नई दिल्ली
भारतीय टीम इसी साल दिसंबर में नेपाल का दौरा करेगी। शुक्रवार को क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल ने स्टेटमेंट जारी कर बताया कि 'इंडिया ए' इसी साल दिसंबर में 3 मैचों की टी20 सीरीज के लिए नेपाल दूर पर आएगी। उअठ ने आगामी सीरीज का शेड्यूल भी जारी कर दिया है, जो 9 दिसंबर-13 दिसंबर तक खेला जाएगा। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल के प्रेसिडेंट चतुर बहादुर चंद, सीएनए के सचिव पारस खड्का और इउउसचिव देवजीत सैकिया के बीच बैठक के बाद द्विपक्षीय सीरीज पर फैसला लिया गया। दोनों टीमों के बीच तीन टी20 मैच खेले जाएंगे, जिनकी मेजबानी कीर्तिपुर



स्थित त्रिभुवन यूनिवर्सिटी स्थित टीयू इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड करेगा। 9 दिसंबर - पहला टी20 11 दिसंबर - दूसरा टी20 13 दिसंबर - तीसरा टी20 नेपाल के लिए यह बहुत बड़ा मौका होगा, क्योंकि इंडिया ए में कइछ के बड़े सितारे और भारत की सीनियर क्रिकेट टीम का हिस्सा रह चुके कुछ खिलाड़ी भी शामिल हैं। नेपाल क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ सालों में शानदार खेल दिखाया है।

तिहाड़ जेल में एमअ की परीक्षा देगा आफताब अदालत ने रद्द की 20 जुलाई की सुनवाई

नई दिल्ली
दिल्ली की एक अदालत ने श्रद्धा वालकर मर्डर केस में 20 जुलाई की कार्यवाही रद्द कर दी है, क्योंकि आरोपी आफताब अमीन पूनावाला ने अदालत को बताया कि उस दिन वह तिहाड़ जेल में अपनी टअ सोशियोलॉजी की आखिरी परीक्षा में शामिल होगा। अदालत ने अब निर्देश दिया है कि अभियोजन पक्ष के सबूत 21 जुलाई से दोपहर 2 बजे दर्ज किए जाएं, जबकि पहले तय की गई बाकी तारीखें वैसी ही रहेंगी। 2023 से चल रहा यह ट्रायल मई 2022 में पूनावाला द्वारा 27 वर्षीय वालकर की कथित हत्या से जुड़ा है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरगुरवर्दिर सिंह जग्गी ने गौर किया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय

मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पूनावाला की परीक्षाएं 11 से 20 जुलाई तक तिहाड़ केंद्रीय जेल के भीतर स्थित परीक्षा केंद्र में होनी हैं, जहां वह मुकदमे का सामना करते हुए बंद है। 8 जुलाई के अपने आदेश में न्यायालय ने कहा आरोपी आफताब अमीन पूनावाला ने अपने आंदेन में कहा है कि वह 20 जुलाई को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक तिहाड़ केंद्रीय जेल संख्या 3 में स्थित इन्गू परीक्षा केंद्र में समाजशास्त्र में एमए की अंतिम परीक्षा में शामिल होने वाला है। (परीक्षा की तिथि 11 से 20 जुलाई तक निर्धारित है)। पूनावाला ने 20 जुलाई को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट मांगी थी, क्योंकि उस दिन दोपहर 2 बजे से



शाम 5 बजे तक उनकी अंतिम परीक्षा होनी थी। उनकी अर्जी स्वीकार करते हुए कोर्ट ने

20 जुलाई की सुनवाई रद्द कर दी। इससे पहले, इस मामले में 20 जुलाई से 25

जुलाई तक अभियोजन पक्ष के सबूतों को रोजाना दर्ज करने की प्रक्रिया तय की गई थी। अगस्त में होने वाली कार्यवाही की तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं। अभियोजन पक्ष के 13 गवाहों से शुरुआती पूछताछ आंशिक रूप से दर्ज की गई है, जबकि 12 गवाहों की गवाही टाल दी गई थी। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि कॉल सेंटर में काम करने वाली वॉकर की हत्या उसके लिव-इन पार्टनर पूनावाला ने दिल्ली के महरौली में उनके किराए के फ्लैट में कर दी थी। आरोप है कि उसने उसका गला घोंटा, उसके शरीर के कई टुकड़े किए, उन्हें रेफ्रिजरेटर में रखा और कई दिनों तक दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में, जिसमें एक जंगली इलाका भी शामिल है।

वन महोत्सव : डीपीएस के विद्यार्थियों ने निकाली जागरूकता रैली, पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश



हर वर्ष पौधारोपण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम में शिक्षिका शिवाली

शंकरगढ़ नगर पंचायत को मिली नई ईओ, रश्मि सिंह को अतिरिक्त प्रभार

शंकरगढ़। नगर पंचायत शंकरगढ़ में लंबे समय से खाली चल रहे अधिशासी अधिकारी (ईओ) के पद पर आखिरकार तैनाती का आदेश जारी हो गया है। एडीएम प्रशासन के 8 जुलाई के आदेश के तहत हंडिया नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी रश्मि सिंह को शंकरगढ़ नगर पंचायत का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। आदेश की प्रति नगर पंचायत शंकरगढ़ कार्यालय भी पहुंच चुकी है। गौरतलब है नगर पंचायत में ईओ का पद खाली होने और इससे प्रशासनिक व विकास कार्यों पर पड़ रहे असर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद प्रशासन ने मामले का सज्ञान लेते हुए नई व्यवस्था लागू की हालांकि, शुक्रवार तक रश्मि सिंह ने शंकरगढ़ नगर पंचायत का कार्यभार ग्रहण नहीं किया था। नगर पंचायत कार्यालय के अनुसार आदेश की प्रति प्राप्त हो चुकी है और कार्यभार ग्रहण करने की प्रक्रिया पूरी की जानी है। ईओ का पद खाली रहने से कई प्रशासनिक फाइलों के निस्तारण और विकास कार्यों की गति प्रभावित हो रही थी। नई तैनाती के आदेश के बाद नगर पंचायत के लंबित कार्यों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

समितियों में खाद की कमी के चलते प्राइवेट दुकानों के चंगुल में फंस रहे किसान

लेड़ियारी प्रयागराज। धान की खेती चालू होते ही खाद की किल्लत शुरू हो गयी है। सहकारी समितियों में जहां खाद की कमी है वहीं प्राइवेट दुकानों में खाद की भरमार लगी हुई है। इससे प्राइवेट खाद खरीदने में किसानों को निर्धारित मूल्य से ज्यादा का दाम चुकाना पड़ रहा है। समस्या को लेकर प्रशासन भी चुप्पी साधे बैठा हुआ है। किसानों का आरोप है कि समितियों में जो खाद आ रही है वह ऊंट के मुंह में जिरा के बराबर है। चार सौ बोरी खाद पर हजारों किसानों की लाइनें लग जाती है। जिसे वितरण होने में भी भारी समस्या उत्पन्न हो जाती है। यहां तक की कई समितियों पर खाद बंटते समय विवाद भी हो जाता है। वहीं प्राइवेट दुकानों में यूरिया डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता विभागीय मनमाना पर सवाल भी खड़ा कर रहा है। कमलेश प्रसाद चिंतामणि मिश्र दिनेश प्रसाद सुरेंद्र कुमार आशा देवी याथूराम आदि किसानों ने बताया कि प्राइवेट दुकानों में 266 रुपए की यूरिया 450 से 500 तक बेंची जा रही है। जबकि निर्धारित मूल्य से ज्यादा दाम पर बेचने का कोई आदेश नहीं है। साधन सहकारी समितियों में पर्याप्त स्टॉक न होने के कारण ज्यादातर किसान प्राइवेट दुकानों का निवाला बन रहें हैं। इस गम्भीर समस्या को आकृष्ट कराते हुए किसानों ने



जिलाधिकारी से खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराते हुए जांच की मांग की है।

दिवाइन हार्ट स्कूल अशोक नगर में स्वच्छ भारत पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

प्रयागराज। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड बीपीसीएल के सहयोग से अशोक नगर स्थित दिवाइन हार्ट स्कूल में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत 'स्वच्छ भारत, समृद्ध भारत' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक के कम उपयोग तथा कचरा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं स्वस्थवातावरण बनाए रखने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने तथा स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड बीपीसीएल के फ्लीट सेल्स ऑफिसर



गौरव द्विवेदी एवं शक्ति पांडेय ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाने

तथा समाज को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रचना गुप्ता,

शिक्षकगण एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह का समापन स्वच्छता के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

बेलवनिया माइनर में 40 साल बाद दौड़ा पानी : 22 किलोमीटर टेल तक पहुंचा, हजारों किसानों को मिलेगा सिंचाई का लाभ

मांडा। चार दशक से सूखी पड़ी बेलवनिया माइनर में 40 साल बाद पानी पहुंचा है। बाणसागर बहुदेशीय परियोजना पूरी होने के बाद वर्ष 1982 में निर्मित इस माइनर में पहली बार पानी छोड़ा गया। यह पानी 22 किलोमीटर टेल तक पहुंच गया है, जिससे क्षेत्र के हजारों किसानों को सिंचाई का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर कोरांव विधायक राजमणि कोल ने बेलवनिया माइनर के टेल पर किसानों से संवाद किया। विधायक राजमणि कोल ने किसानों को आश्वासन दिया कि अब उन्हें सिंचाई के लिए नियमित रूप से पानी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्षों से पानी के अभाव में किसान महंगी सिंचाई व्यवस्था पर निर्भर थे, लेकिन अब यह समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। नहर में पानी पहुंचने से क्षेत्र की खेती को नई दिशा मिलेगी और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।



अधिकारियों के अनुसार, उपरोंछ राजबहा की यह बेलवनिया माइनर लगभग 22.30 किलोमीटर लंबी है। सिरसी बांध से पर्याप्त पानी न मिलने और अंतिम माइनर होने के कारण वर्ष 1982 से इसमें नियमित जलापूर्ति नहीं हो सकी थी, जिसके चलते नहर जर्जर



हो गई थी। वर्ष 2018 में बाणसागर बहुदेशीय परियोजना के तहत मेजा-जर्गा लॉक चैनल बनने के बाद नहर का पुनर्स्थापन कराया गया और अब इसमें पहली बार पानी छोड़ा गया है। बखार गांव से शुरू होकर लतीफपुर, पारा, बेलवनिया, बेलहट,

सहायक अभियंता अरविंद कुमार राय तथा अवर अभियंता जितेंद्र कुमार पांडेय सहित अन्य अधिकारी निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे। अवर अभियंता जितेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि वर्तमान में 22 किलोमीटर टेल तक पानी पहुंच चुका है और आगे भी

लालापुर क्षेत्र में 'कागजों में कैद' मृत किसान: वरासत के लिए भटक रहे सैकड़ों परिवार, लेखपाल और कानूनगो के काट रहे चक्कर

लालापुर। उत्तर प्रदेश सरकार भले ही राजस्व मामलों के त्वरित निस्तारण और 'वरासत' प्रक्रिया को ऑनलाइन व पारदर्शी बनाने के बड़े-बड़े दावे कर रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। लालापुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दर्जनों गांवों में आज भी सैकड़ों किसान परिवारों की जमीनें 'मृतकों' के नाम पर ही दर्ज हैं। कई वर्ष बीत जाने के बाद भी मृतक किसानों के वारिसों के नाम खतौनी के मुख्य पृष्ठ फ्रंट पर नहीं चढ़ पा रहे हैं। खतौनी में अपना जायज नाम दर्ज कराने के लिए पीड़ित किसानों को तहसील से लेकर लेखपाल और कानूनगो के दफ्तरो के अंतहीन चक्कर काटने पड़ रहे हैं। क्षेत्रीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, लालापुर के दर्जनों गांवों में वरासत दर्ज करने के नाम पर भारी लापरवाही बरती जा रही है। कहीं मृतक किसान की जगह उसके बेटों के नाम चढ़ाने में सालों की देरी की जा रही है, तो कहीं अगर नाम चढ़ाया भी गया है तो उसमें भारी त्रुटियां हैं। नामों में हेरफेर-कई किसानों के खुद के नामों की स्पेलिंग या अक्षर गलत हैं। पिता के नाम में गड़बड़ी- राजस्व रिकॉर्ड में कई जगह वारिसों के पिता का नाम ही बदल दिया गया है, जिससे वे अपनी ही जमीन के कानूनी हक से वंचित हो रहे हैं। खतौनी के फ्रंट पर नाम न होने के कारण इन पीड़ित किसानों को रोजमर्रा की जिंदगी में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। किसान क्रेडिट कार्ड और लोन- बैंक ऋण खतौनी या मृतक के नाम की जमीन पर लोन देने से मना कर देते हैं। सरकारी योजनाओं से वंचित- पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा और सरकारी क्रेय केंद्रों पर अनाज बेचने के लिए सही खतौनी अनिवार्य है, जिसके न होने से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। पारिवारिक विवाद- वरासत दर्ज न होने से गांवों में आपसी और पारिवारिक भूमि विवाद तेजी से बढ़ रहे हैं।

भ्रष्टाचार और टालमटोल का आरोप : पीड़ित किसानों का आरोप है कि लेखपाल और कानूनगो जानबूझकर इस प्रक्रिया को लटकाए रखते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के बावजूद महीनों तक फाइलों को दबाकर रखा जाता है। सीधे तौर पर या दलालों के माध्यम से 'सुविधा शुल्क' न मिलने पर मामूली ऋण का बहाना बनाकर फाइलों को निरस्त या ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।



महेरा तरहार ब्रह्मदेव आश्रम में हुआ भव्य भंडारे का आयोजन, उमड़े श्रद्धालु
लालापुर। क्षेत्र के महेरा तरहार गांव स्थित प्रसिद्ध ब्रह्मदेव आश्रम में बृहस्पतिवार को एक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय ग्रामीणों सहित दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने बह-चढ़कर हिस्सा लिया और प्रसाद ग्रहण किया। आश्रम के पीठाधीश्वर प्रेमभूति महाराज के देखरेख में इस पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन हुआ। भंडारे से पूर्व आश्रम में विशेष पूजा-अर्चना और आरती की गई, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। संतो और गणमान्य लोगों की रही उपस्थिति इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के कई सम्मानित संत और शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में शामिल थे। स्वामी ब्रजेशानंद महाराज, आचार्य हरी कृष्ण शुक्ला, विवेक लालाशुक्ला, अखिलेश शुक्ला विराट तिवारी, सुनील कनौजिया इसके अलावा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों और भक्तों ने भंडारे में अपनी सेवाएं दीं। पीठाधीश्वर प्रेमभूति महाराज ने आए हुए सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

सहस्रों। सहस्रों-फाफामऊ मार्ग पर माघ मेला समाप्त होने के बाद से खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को आखिरकार शुक्रवार को दुरुस्त कर दिया गया। लंबे समय से अंधेरे में डूबे इस मार्ग पर शाम होते ही आवागमन कठिन हो जाता था, जिससे राहगीरों, व्यापारियों, किसानों और स्थानीय ग्रामीणों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। अंधेरे के कारण दुर्घटनाओं और असुरक्षा की आशंका भी बनी रहती थी। जनप्रतिनिधियों के लगातार प्रयास और पत्राचार के बाद लोक निर्माण विभाग ने कार्रवाई करते हुए पूरे मार्ग की अधिकांश स्ट्रीट लाइटों को पुनः चालू कर दिया। गारापुर गांव के



प्रशासक द्वारिका प्रकाश कुशवाहा ने इस समस्या को गंभीरता से उठाते हुए लोक निर्माण विभाग, निर्माण खंड-4 के अधिशासी अभियंता सुरेंद्र कुमार से लगातार पत्राचार एवं वार्ता की। उन्होंने

मरम्मत कार्य शुरू कराया। शुक्रवार को अवर अभियंता दीपक गौड़ के नेतृत्व में विभागीय टीम ने थरवई से गारापुर होते हुए सहस्रों तक लगे प्रलेक स्ट्रीट लाइट चालू करने से थरवई बाजार, गारापुर बाजार, तकिया चौराहा, रामनगर और सहस्रों के व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों में खुशी का माहौल है। लोगों का कहना है कि अब रात के समय बाजारों में आने-जाने वाले शाहकों, व्यापारियों और राहगीरों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। वहीं गौड़ ने बताया कि मार्ग की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें सुचारु रूप से संचालित कर दी गई हैं। जिन स्थानों पर पोल अथवा

अन्य उपकरणों में तकनीकी खराबी पाई गई है, उन्हें बदलने की विभागीय प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है और शेष कार्य भी शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। स्ट्रीट लाइट चालू होने से थरवई बाजार, गारापुर बाजार, तकिया चौराहा, रामनगर और सहस्रों के व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों में खुशी का माहौल है। लोगों का कहना है कि अब रात के समय बाजारों में आने-जाने वाले शाहकों, व्यापारियों और राहगीरों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। वहीं गौड़ ने बताया कि मार्ग की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें सुचारु रूप से संचालित कर दी गई हैं। जिन स्थानों पर पोल अथवा

लौट सकेगी। स्थानीय लोगों का मानना है कि इससे न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि पूरे क्षेत्र में सुरक्षा की भावना भी और मजबूत होगी। इस अवसर पर लवकेश मिश्र, मनोज सिंह, शिवा त्रिपाठी, मनोज शुक्ला, प्रमोद शुक्ला, बालेंद्र दुबे, बृजलाल पटेल, प्रवेश शुक्ला, विजय तिवारी, नागेन्द्र यादव, कलेक्टर पांडे, पंकज शुक्ला, आशीष शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता सुरेंद्र कुमार, अवर अभियंता दीपक गौड़ तथा विभागीय टीम का आभार व्यक्त करते हुए उनके कार्य की सराहना की।

अटल आवासीय विद्यालय बेलहट ने प्रदेश में हासिल किया पहला स्थान, मंडलायुक्त ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अटल आवासीय विद्यालय बेलहट (कोरांव) ने वर्ष 2025-26 की बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम के साथ प्रदेश के सभी अटल आवासीय विद्यालयों में पहला स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी स्तर का प्रदर्शन बनाए रखने की अपेक्षा जताई।

शुक्रवार को गांधी सभागार में मंडलायुक्त की अध्यक्षता में अटल आवासीय विद्यालय बेलहट की शैक्षिक गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं को लेकर मंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कक्षा 10 के मेधावी छात्र हर्षित (96.6 प्रतिशत) और बालिका वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त



करने वाली मोनिका (92.2 प्रतिशत) को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर दिया जोर

मंडलायुक्त ने अधिकारियों को विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कमजोर विद्यार्थियों के लिए ब्रिज कोर्स संचालित करने, इंजीनियरिंग एवं

अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क कोचिंग की व्यवस्था करने तथा विद्यार्थियों को पब्लिक स्पीकिंग, वाद-विवाद, व्यक्तित्व विकास और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा।

निर्माण कार्यों में देरी पर जताई नाराजगी

बैठक में बताया गया कि विद्यालय की सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़े

कार्यों के लिए अप्रैल में ही धनराशि जारी कर दी गई थी, लेकिन कार्यवाही संस्था ने अब तक काम शुरू नहीं किया है। इस पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताते हुए 10 दिनों के भीतर निर्माण कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि तब समय में काम शुरू नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कूड़ा उठान और बिजली व्यवस्था सुधारने के निर्देश

विद्यालय से नियमित ठोस अपशिष्ट उठान नहीं होने पर मंडलायुक्त ने मुख्य विकास अधिकारी को नगर पंचायत कोरांव के माध्यम से नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। वहीं, विद्युत आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने के लिए एचटी और एलटी विद्युत प्रणाली के वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध (एमसी) की

प्रक्रिया जल्द पूरी करने को कहा। इसके लिए विद्युत विभाग को विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए गए।

अतिरिक्त खेल मैदान का प्रस्ताव तैयार होगा

बैठक में विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त खेल मैदान की आवश्यकता भी उठाई गई। इस पर मंडलायुक्त ने मुख्य विकास अधिकारी को भूमि चिन्हित कर अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी करते हुए शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की पढ़ाई और सर्वांगीण विकास से जुड़े सभी आवश्यक कार्यों के प्रस्ताव समयबद्ध तरीके से तैयार कर शासन को भेजे जाएं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, उप श्रमायुक्त सुमित कुमार, अटल आवासीय विद्यालय के प्रधानाचार्य गोपाल मिश्र, डायट प्रचार्य तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

इंडियन टैलेंट ओलंपियाड में स्वामी विवेकानंद स्कूल की धूम

- शिवांशु को छात्रवृत्ति अक्षिता को गोल्ड और स्टाफ को बेस्ट टीचर अवार्ड के साथ सम्मान
- प्रधानाचार्य दिनेश कुमार पाण्डेय को बेस्ट प्रिंसिपल अवार्ड के प्रमाण-पत्र के साथ सम्मा

अखंड भारत संदेश

शरवाई। स्वामी विवेकानंद विद्याश्रम सोनियर सेकेंडरी स्कूल शरवाई में सत्र 2025 - 26 के दौरान आयोजित इंडियन टैलेंट ओलंपियाड परीक्षा का परिणाम पूर्व में घोषित किया जा चुका था, जिसमें विद्यालय के अनेक विद्यार्थियों का विभिन्न पुरस्कारों के लिए चयन हुआ था। इसी क्रम में शुक्रवार को विद्यालय के कक्षा 5 वीं के छात्र शिवांशु प्रजापति को उत्तर प्रदेश स्तर पर स्टेट रैंक प्राप्त करने पर इंडियन टैलेंट ओलंपियाड द्वारा एक हजार रुपए की छात्रवृत्ति, गोल्ड मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। वहीं कक्षा 2 की छात्रा अक्षिता सिंह को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गोल्ड मेडल एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। विद्यालय के उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान को



देखते हुए इंडियन टैलेंट ओलंपियाड द्वारा विद्यालय के शिक्षकों यादवेंद्र पाण्डेय, गौरव उपाध्याय, अनुराधा त्रिपाठी, सरोज शुक्ला, शालिनी शुक्ला, राहुल त्रिपाठी तथा गिरीश दुबे को बेस्ट टीचर अवॉर्ड के प्रमाण - पत्र प्रदान किए गए। साथ ही विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार पाण्डेय को बेस्ट प्रिंसिपल अवॉर्ड के प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया।

नवागंतुक एसीपी बृजेश पाठक को सौंपी गई मेजा

शार्किल की जिम्मेदारी दिखे एक्शन मूड में

कहा – जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत क्राइम कंट्रोल, अपराधियों के विरुद्ध कठोर एक्शन, पीड़ितों को न्याय और सर्किल में शांति व्यवस्था ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

अखंड भारत संदेश

मेजा। शासन के मंशानुरूप जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सर्किल में क्राइम कंट्रोल, अपराधियों पर कड़ा एक्शन, पीड़ितों को न्याय और क्षेत्र में शांति व्यवस्था सुनिश्चित कराना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उक्त बातें नवागंतुक एसीपी मेजा बृजेश पाठक ने शुक्रवार को कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान अखंड भारत प्रतिनिधि मेजा से की गई प्रेसवार्ता में कही।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में बतौर एसीपी आगरा में कार्यरत रहे सन 2001 बैच के नवागंतुक एसीपी श्री पाठक मेजा में कार्यभार ग्रहण करते ही कानून व्यवस्था को लेकर पूरी तरह एक्शन में दिख रहे हैं। शासन की मंशा के अनुरूप जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत एक अलग



नवागंतुक एसीपी मेजा बृजेश पाठक

अंदाज में एक्टिव रहने वाले साफ सुथरी छवि के अधिकारी बृजेश पाठक की विभाग में उत्कृष्ट कार्यप्रणाली रही है जिसको लेकर वे विभाग में जाने जाते हैं और हमेशा सुर्खियों में रहे हैं। पूर्व एसीपी एसपी उपाध्याय के सेवानिवृत्त होने के बाद विभाग के आलाधिकारियों

द्वारा श्री पाठक को नए एसीपी के रूप में मेजा सर्किल की जिम्मेदारी सौंपी गई। बता दें कि मूलरूप से उरई जालौन क्षेत्र के रहने वाले बृजेश पाठक एक कर्तव्य निष्ठ, ईमानदार और कानून को सर्वोपरि मानने वाले आनेस्ट अधिकारी हैं। पुलिस विभाग में रहकर पीड़ित मानवता की सेवा और समाज के अंतिम पायदान पर रहने वाले निरीह असहाय एवं गरीबों की मदद करना इनका खानदानी संस्कार रहा है। मेजा में बतौर एसीपी सर्किल में कानून का राज स्थापित करने और आमजन में अमनचैन बहाल करने के उद्देश्य से पूरी तरह मुस्तैद हैं। गौरतलब है कि इस दौरान बढ़ते अपराध और अपराध नियंत्रण को लेकर कई बिंदुओं पर की गई वार्ता के क्रम में उन्होंने अपनी स्पष्ट मंशा जाहिर किया और कहा कि शासन की गाइड लाइन जीरो टॉलरेंस की

जान बचाने में किया गया हमला आत्मरक्षा का हिस्सा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 40 साल पहले हुई हत्या में मिली उम्रकैद से दो हत्या में मिली उम्रकैद से दो सगे भाइयों को बरी कर दिया। इसका फैसला न्यायमूर्ति जेजे मुनीर, न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने टीकम सिंह उनके बेटे चितेंद्र और मुनेश की ओर से सजा के खिलाफ दाखिल अपील स्वीकार करते हुए सुनाया है। मामला मुरादाबाद के बनियाठेर थाना क्षेत्र का है। चार अगस्त 1986 को मुरादाबाद के विजयपुर गांव में जमीन के विवाद में दो पक्षों में मारपीट हुई थी। आरोप लगा कि टीकम सिंह ने बेटे चितेंद्र सिंह और मुनेश के साथ हथियारबंद होकर रामवीर सिंह पर हमला कर दिया। इससे रामवीर सिंह की मौत हो

गई थी। 23 दिसंबर 1987 को ट्रायल कोर्ट ने तीनों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ इन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने माना कि टीकम सिंह घटना के समय बुजुर्ग हो चुके थे। साथ ही शारीरिक रूप से दिव्यांग थे। उन पर रामवीर के पक्ष ने हमला किया। इसमें उन्हें 20 चोटें आई थीं। टीकम सिंह के बेटे चितेंद्र और मुनेश ने अपने पिता की जान बचाने के लिए आत्मरक्षा में बल का प्रयोग किया था, जो कानून सही है। कोर्ट ने पाया कि अभियोजन घटना का असली कारण और टीकम सिंह को आई चोटों के बारे में सच छिपा रहा था। इसके अलावा घटना में इस्तेमाल हथियारों की बरामदगी न होना भी अभियोजन के दावों पर सवाल खड़ा करता है। मुख्य आरोपी टीकम सिंह को अपील के दौरान मृत्यु हो चुकी थी। लिहाजा, कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलटते हुए चितेंद्र सिंह और मुनेश को सभी आरोपों से बरी कर दिया है।

रातभर बरसते रहे मेघ, सुबह भी जारी रही रिमझिम बारिश, शहर के कई इलाकों में जलभराव



प्रयागराज। गुरुवार को दिनभर हुई बारिश के बाद रातभर भी रुक-रुक कर तेज बारिश का सिलसिला जारी रहा। शुक्रवार सुबह भी शहर में घने बादल छाए रहे और कई इलाकों में रिमझिम बारिश होती रही। पिछले 24 घंटे में जिले में 4.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई। लगातार हुई बारिश से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। बारिश के कारण शहर के कई प्रमुख क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई। सिविल लाइंस, जॉनसनगंज, बैरहना और चुंगी सहित कई चौराहों पर सड़कों पर पानी भर जाने से वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर यातायात की रफ्तार भी धीमी पड़ गई। सुबह से आसमान में काले घने बादल छाए रहने और ठंडी हवाएं चलने से मौसम खुशनुमा बना रहा। हालांकि, जलभराव वाले इलाकों में लोगों को आवागमन में दिक्कतें झेलनी पड़ीं। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ समय तक जिले में गरज-चमक के साथ बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और जलभराव वाले मार्गों से गुजरते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

प्रदेश में सीएम योगी पर पहले से कहीं और अधिक बढ़ा है जनता का विश्वास : प्रेमशंकर सिंह

क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता ने विपक्षी पार्टियों सपा और कांग्रेस पर लगाया आरोप कहा अयोध्या मामले को राजनीतिक रंग देकर सनातन समाज को कर रही हैं भ्रमित,विपक्ष के आरोपों से आगामी चुनाव पर नहीं पड़ेगा असर, जनता है जागरूक

मेजा। क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेमशंकर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास, सुशासन और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता का योगी सरकार पर विश्वास पहले से कहीं और अधिक मजबूत हुआ है और विश्वास के किसी भी नेरेटिव का 2027 के विधानसभा चुनाव में कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मामले में दोषियों के खिलाफ सरकार स्वयं



भाजपा नेता प्रेमशंकर सिंह

सख्त कार्रवाई कर रही है। इस मुद्दे

को लेकर भाजपा नेता का आरोप है कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस चढ़ावा चोरी मामले को राजनीतिक रंग देकर सनातन समाज को भ्रमित करने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन श्रीराम भक्त सही और गलत का अंतर अच्छी तरह समझते हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट कर दिया है कि मामले में दोषी कोई भी हो, उसके खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होगी। सिंह ने दावा किया कि सरकार की कार्यशैली पारदर्शी है और जनता को उस पर पूरा भरोसा है।भाजपा नेता ने इलाहाबाद

हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ द्वारा इस मामले में सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज किए जाने का भी उल्लेख करते हुए कहा कि जब एसआईटी जांच कर रही है तो समाान्तर जांच की आवश्यकता नहीं है।श्री सिंह ने आगे कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है,माफियाओं पर कार्रवाई हुई है और विकास कार्यों को गति मिली है। उनका मानना है कि योगी सरकार की नीतियों और कार्यशैली पर जनता का भरोसा कायम है और विपक्ष के आरोपों से इस विश्वास पर कोई असर पड़ने वाला नहीं है।

लापता विधवा महिला की 2 महीने 17 दिन बाद घर से 200 मीटर दूर गड्ढे में दफनाई हुई मिली कंकाल

पुलिस ने गड्ढा खुदवा कर कंकाल किए बरामद, पुलिस चाहती तो बेटे के तहरीर पर जिंदा मुर्दा मिल सकती थी महिला

कोरांव प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के नेवढ़िया पाल से लापता हुई एक विधवा महिला का कंकाल उसके घर से 200 मीटर दूर एक गड्ढे से बरामद हुआ है। जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

जानकारी के मुताबिक शांति देवी पत्नी स्व. रामधनी पाल निवासी नेवढ़िया पाल थाना कोरांव बोंटे 23 अप्रैल को घर से अचानक लापता हो गई थी। जिसके बाबत बेटे मुकेश की सूचना पर 26 अप्रैल को कोरांव पुलिस ने गुमशुदगी भी दर्ज कर ली थी। हालांकि पुलिस की लचर कार्यप्रणाली को लेकर 16 मई को बेटे मुकेश पाल ने संपूर्ण समाधान दिवस कोरांव में यह शिकायत दर्ज कराई थी कि मेरी मां 23 अप्रैल से लापता है



और अभी तक पुलिस मामले में कोई भी कार्रवाई नहीं की है। न तो मौके का मुआयना और निरीक्षण और न ही कहीं खोजबीन की। जिससे मेरी मां का पता नहीं चल पा रहा है। लापता शांति देवी के घर से 200

मीटर दूर नाले के पास कापड़े में लपेटे दो मृत् कुत्ते भी फेंके गए थे। गांव के कुछ कुत्ते नाले के पास गड्ढा खोद रहे थे। जिससे चरवाहों व ग्रामीणों को यह आशंका हुई कि कुत्ते कई दिनों से यहां क्यों खोद रहे हैं। जिसके बाद शुक्रवार को सुबह ग्रामीणों ने जहां कुत्ते खोद रहे थे। उसी स्थल पर खुदाई शुरू कर दी। तकरीबन 5 फीट नीचे कंकाल के दो अवशेष हड्डी और एक चांदी का लक्षा बरामद हुआ। जिसके बाद सूचना पुलिस को दी गई।

शुक्रवार को रात 9 बजे तक पुलिस की मौजूदगी में खुदाई जारी है। मामले को लेकर थाना प्रभारी कोराव शैलेंद्र सिंह के सीयूजी नंबर व उनके व्यक्तिगत नंबर पर बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे संपर्क

नहीं हो सका। यह कयास लगाया जा रहा है कि 23 अप्रैल को लापता हुई शांति देवी के ही शव के कंकाल बरामद हुए हैं। यह कंकाल शांति देवी के हैं अथवा किसी अन्य के यह तो पुलिस जांच और परीक्षण के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। लेकिन ग्रामीणों में चर्चा यह है कि बरामद कंकाल शांति देवी के शव के ही हैं। बेटे मुकेश पाल ने बताया कि गड्ढे से बरामद लक्षा मेरी मां के ही हैं। हालांकि देर रात तक पुलिस शव के और कंकाल बरामद करने के लिए खुदाई जारी रखी।

फिलहाल यह मामला तत्कालीन पुलिस लापरवाही से सम्बंधित है एक व्यक्ति को पुलिस ने पूछ तांच लिए बुलाया भी गया था।

कंसिस्टेंट इन्फोसिस्टम्स ने प्रयागराज में पहला सर्विलांस एक्सपीरियंस जोन शुरू किया

प्रयागराज। भारत के अग्रणी आईटी हाईवेयर, सर्विलांस और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की अग्रणी कंपनी कंसिस्टेंट इन्फोसिस्टम्स ने सिविल लाइंस, प्रयागराज में अपने पहले सर्विलांस एक्सपीरियंस जोन का उद्घाटन किया। यह सेंटर ग्राहकों, सिस्टम इंटीग्रेटर्स, इंस्टॉलर्स, डीलर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स और चैनल पार्टनर्स को कंपनी के सीसी टीवी सर्विलांस, सिक्वोरिटी, नेटवर्किंग और गेमिंग उत्पादों का लाइव डेमो, प्रोडक्ट डिस्प्ले और विशेषज्ञों की सलाह के साथ अनुभव करने का अवसर प्रदान करेगा। उद्घाटन समारोह में कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स) चंदन कुमार, प्रोडक्ट हेड (सर्विलांस) पवन कुमार सिंह, मार्केटिंग हेड रितेश दास, प्रोडक्ट हेड (गेमिंग) गोविंद कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने आगंतुकों को कंपनी के नवीनतम तकनीकी उत्पादों और समाधानों की जानकारी दी। कंपनी के सीएमडी एवं को-फाउंडर योगेश अग्रवाल ने कहा कि यह एक्सपीरियंस जोन ग्राहकों और पार्टनर्स को खरीद या इंस्टॉलेशन से पहले उत्पादों को समझने और परखने



का अवसर देगा। उन्होंने कहा कि यह पहल कंपनी की इनोवेशन, बेहतर सेवा और भारतीय बाजार को विश्वस्तरीय तकनीकी समाधान उपलब्ध करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उद्घाटन के बाद आयोजित डीलर एवं डिस्ट्रीब्यूटर मीट में 120 से अधिक चैनल

पार्टनर्स ने भाग लिया। इस दौरान कंपनी ने अपने नवीनतम आईटी हाईवेयर, सर्विलांस, मोबिलिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और गेमिंग उत्पादों का प्रदर्शन किया तथा भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं और विकास योजनाओं पर चर्चा की।

प्रयागराज में प्रवास के दौरान सीएम योगी द्वारा पुल निर्माण के बाबत प्रस्ताव का निर्देश देने पर भाजपा युवा मोर्चा के जिलामंत्री ने जताया आभार कहा पुल निर्माण से कनेक्टिविटी बढ़ने के साथ तेजी से होगा क्षेत्र का विकास

अखंड भारत संदेश

मेजा। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रयागराज प्रवास के दौरान मेजा क्षेत्र की अर्से से चली आ रही परानीपुर गंगा घाट पर पक्के पुल निर्माण का संज्ञान लिया है।उन्होंने सम्बन्धित विभाग से इस पुल के प्रस्ताव को तत्काल देने के लिए मंच से निर्देश दिया है।योगी द्वारा पक्के पुल निर्माण पर गम्भीरता दिखाने से एक आस जगी है। भारतीय युवा मोर्चा के जिलामंत्री राहुल मिश्रा ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि मेजा क्षेत्र के गंगा नदी में सिरसा,परानीपुर गंगा घाट पर पक्के पुल की काफी दिनों से मांग की जा रही है।क्षेत्र के कई जन प्रतिनिधियों ने इसके लिए कई बार



भाजपा युवा मोर्चा जिलामंत्री राहुल मिश्रा

प्रस्ताव और स्टीमेट भी सम्बन्धित विभाग के जरिए दे चुके हैं। गंगा यात्रा के दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने भाजपा नेताओं की मांग पर

वायदा किया था कि मेजा क्षेत्र में पक्का पुल शीघ्र ही बनेगा।उनके आशवासन पर उस वक्त क्षेत्रीय विधायक रही नीलम करवरिया ने सक्रियता दिखाते हुए लोकनिर्माण विभाग के द्वारा प्रस्ताव दिया गया था। पूर्व विधायक नीलम करवरिया केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात कर इस अहम मांग को उनके सामने रखा था।श्री गडकरी ने उनकी मांग पर आशवासन देते हुए कहा था कि इसे प्राथमिकता दी जाएगी। वार्ता के दौरान भाजपा युवा मोर्चा जिलामंत्री राहुल मिश्रा ने बताया कि मेजा क्षेत्र में पक्के पुल के निर्माण के लिए कुँवर रेवती रमण सिंह, केपी तिवारी,गिरीश चंद पांडेय, उज्ज्वल रमण सिंह व आनंद

कुमार पांडेय इस बाबत प्रयास किए जरूर लेकिन उनकी मांग पर केंद्र व प्रदेश सरकारें एक राय नहीं हुईं और प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में भेजे गए दो प्रस्ताव पर केंद्र सरकार ने मंजूरी नहीं दी।युवा जिलामंत्री ने बताया कि एक वर्ष पूर्व भदोही के घन तुलसी घाट पर पक्के पुल की मंजूरी और निर्माण कार्य शुरू होने से आस पास की छवि धूमिल पड़ने लगी थी।श्री मिश्रा ने कहा कि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य व जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीके सिंह की मांग को सम्मान देते हुए उन्होंने तत्काल प्रस्ताव की मांग कर नई आस जगाई है। इसके लिए उन्होंने क्षेत्र की जनता की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया है।

कौशाम्बी संदेश

प्रेमिका से मिलने पहुंचे प्रेमी पर कुल्हाड़ी से उतारा मौत के घाट

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के नगर पालिका परिषद मंझनपुर के डुंडी बाग गांव का एक युवक अपनी प्रेमिका से मिलने गया था प्रेमी युवक को प्रेमिका के परिजनों ने रास्ते में पकड़ कर लाठी डंडे कुल्हाड़ी से मारपीट कर मौत के घाट उतार दिया है घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के नगर पालिका परिषद मंझनपुर के डुंडी बाग गांव निवासी शिव प्रसाद उम्र 18 वर्ष पुत्र राम बदन राजपूत गुरुवार को पहले अपने मौसी के घर छोमी गांव गया था वापस लौटते समय महुवा खाड़ा गांव के पास गुरुवार की रात को कुछ लोगों ने बल पूर्वक उसकी बाइक को रोक लिया वह अपनी प्रेमिका से मिलने जा रहा था बताया जा रहा है कि प्रेमिका के परिजनों ने अपने अन्य

- प्रेमिका भी गंभीर घायल, कौशांबी में देर रात रिश्तेदार के घर रुका था युवक
- प्रेमिका के माता-पिता दो भाइयों सहित 4 लोगों पर दर्ज हुआ गंभीर धारा में मुकदमा

साथियों रिश्तेदारों के सहयोग से शिव प्रसाद राजपूत को पकड़ लिया और लाठी डंडे कुल्हाड़ी से जमकर हमला कर दिया हमले के बाद प्रेमिका के परिजनों ने युवक को घर के बाहर फेंक दिया जानकारी के बाद युवक के परिजन पहुंचे और उसको इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए जहा डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया.युवक की मौत से परिजन में कोहराम मच गया मृतक युवक की प्रेमिका के परिजन उसकी रिश्तेदारी में आते है मृतक युवक के परिजनो ने प्रेमिका के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है।घटना की सूचना पर



कौशांबी जिले में अपराध तेजी से बढ़ा है किसी न किसी थाना क्षेत्र में आए दिन हत्याएं हो रही हैं हत्या जैसी गंभीर घटनाओं पर अंकुश नहीं लग रहा है जिस थाना क्षेत्र में हत्या की घटना बढ़ रही है उस थानेदार पर भी कठोर कार्रवाई नहीं हो रही है बल्कि इस थाने से उस थाने की जिम्मेदारी दी जा रही है जबकि अपराधों पर अंकुश लगाने में असफल थानेदार वा हत्याओं को ना रोक

अपराधों से दहल रहा कौशांबी

पाने वाले थानेदारों पर कठोर कार्रवाई किए जाने की जरूरत है तमाम थाना पुलिस अपराध पर अंकुश नहीं लगा पा रही है अपराधियों को कठोर दंड न दिए जाने से अपराध करने वाले के मंसूबे तेजी से बढ़ रहे हैं और छोटे-छोटे विवाद में बड़े अपराध हो रहे हैं बढ़ते अपराध से आम जनता

भीयभीत हैं गाजर मूली की तरह इंसान काटे जा रहे हैं और इन अपराधियों को माननीय की चौखट में संरक्षण मिल रहा है और यह नेता पुलिस पर भी दबाव बनाते हैं जिससे थाना पुलिस मजबूर दिखाई पड़ रही है बढ़ते अपराध को रोकना होगा और अपराध रोकने में असफल थानेदारों पर निलंबन विभागीय जांच बखीरस्त मिस्कंडेंट जैसी कार्रवाई से दंडित किया जाना होगा

एक सप्ताह का समय देने वाले तहसीलदार 4 महीने बाद भी राजस्व निरीक्षक से नहीं करा सके अपने आदेश का पालन

कौशांबी राजस्व विभाग में अनुशासनहीनता इस कदर बढ़ गई है कि राजस्व निरीक्षक अब तहसीलदार न्यायालय के आदेश का पालन करते नहीं दिखाई पड़ रहे हैं और तहसीलदार न्यायालय मंझनपुर द्वारा राजस्व निरीक्षक को आदेश दिए जाने के बाद वह अपने आदेश का पालन भी कराने में राजस्व निरीक्षकौ के सामने मजबूर दिखाई पड़ रहे हैं जिससे राजस्व विभाग की पूरी व्यवस्था चौपट दिखाई पड़ रही है राजस्व निरीक्षको के कारनामों के चलते सरकारी जमीन सुरक्षित नहीं है तमाम सरकारी जमीनो पर लोगो ने कब्जा कर लिया है आम जनता न्याय के लिए परेशान दिखाई पड़ रही है ताजा मामला मंझनपुर तहसील क्षेत्र के बैरौवा उपहार गांव के मुकदमा नंबर 2903 सन 2024 से जुड़ा हुआ है जिसमें तहसीलदार न्यायालय मंझनपुर ने 10 मार्च 2026 को मुकदमे का फैसला सुनाते हुए एक सप्ताह के अंदर चक मार्ग से कब्जे को खाली करारकर 22 हजार 400 रुपए का जुर्माना वसूली कर न्यायालय को आख्या उपलब्ध कराने का निर्देश राजस्व निरीक्षक को दिया था लेकिन 4 महीने बीत जाने के बाद भी तहसीलदार न्यायालय के आदेश का पालन राजस्व निरीक्षक ने नहीं किया है ना तो चक मार्ग से कब्जा हटाया गया है और ना ही 22 हजार 400 रुपए जुर्माना की वसूली हुई है इतना ही नहीं तहसीलदार न्यायालय को आख्या भी उपलब्ध नहीं कराई गई है तहसीलदार न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने वाले लापरवाह राजस्व निरीक्षक को अभी तक निलंबित भी नहीं किया गया है जिससे तहसीलदार की मजबूरी का अंदाजा लगाया जा सकता है मंझनपुर तहसील क्षेत्र के बैरौवा उपरहार की आराजी संख्या 162 चक मार्ग का मुकदमा नंबर 2903 सन 2024 की सुनवाई के दौरान तहसीलदार न्यायालय मंझनपुर ने आदेश पाते किया था मुकदमे के मुताबिक मनोज कुमार सनोज कुमार वा शंकेश कुमार पुत्रगण भैयालाल निवासी दाई का पुरवा बैरौवा उपरहार तहसील मंझनपुर ने सरकारी जमीन चक मार्ग पर कब्जा कर लिया था दो वर्षों तक मुकदमे की सुनवाई के दौरान सरकारी जमीन पर कब्जा साबित हुआ को 10 मार्च 2026 को न्यायालय तहसीलदार न्यायिक मंझनपुर ने उपरोक्त तीनों कब्जा धारको को सरकारी जमीन से बेदखल करते हुए 22 हजार 400 रुपए जुर्माना वसूल करने का निर्देश राजस्व निरीक्षक को दिया तहसीलदार न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि पुलिस बल का सहयोग लेकर एक सप्ताह के अंदर चकमार्ग को खाली कराया जा और जुर्माना वसूल कर जमा किया जाए एक सप्ताह के अंदर न्यायालय को रिपोर्ट प्रेषित की जाए लेकिन 4 महीने बीत गए है तहसीलदार न्यायालय के आदेश का पालन राजस्व निरीक्षक ने नहीं किया है केवल मुकदमे में चक मार्ग कब्जा मुक्त दिखाया गया है जिससे तहसीलदार की मजबूरी का अंदाजा लगाया जा सकता है कि अभी तक अनुशासनहीनता करने वाले राजस्व निरीक्षको को उन्होंने निलंबित नहीं किया है

मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर की लिखी दवाइयां की राइटिंग केवल उनके पाले एजेंट ही पढ़ पाते हैं

बाहर से दवाई मंगाने पर रोक के बावजूद मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर बाहर से मंगवाते हैं दवाई

अखंड भारत संदेश

कौशांबी संयुक्त जिला चिकित्सालय मेडिकल कॉलेज मंझनपुर के डॉक्टरों द्वारा मरीजों को बाहर मेडिकल स्टोर का दवाइयां लिखी जा रही है जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज में मरीजों को दवाई नहीं उपलब्ध हो पाती जिससे बाहर से दवाई खरीदने के लिए मरीज मजबूर है जबकि सरकार ने मेडिकल कॉलेज के मरीजों को बाहर की दवाइयां लिखने पर डॉक्टरों पर पूरी तरह से रोक लगा दिया है लेकिन उसके बाद भी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर मरीज को बाहर की दवाइयां लिख रहे हैं इतना ही नहीं मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों के डॉक्टरों की राइटिंग कोड भाषा इतनी विचित्र होती है कि जो मेडिकल स्टोर संचालक इन डॉक्टरों का एजेंट बन जाता है और मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर तक

ग्राम भैरवा में भूमि विवाद की शिकायतों का मौके पर हुआ निस्तारण

कौशांबी तहसीलदार,मंझनपुर ने बुधवार को ग्राम भैरवा में कैम्प आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया गया। कैम्प में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा शिकायतकर्ता दिलीप कुमार की शिकायत पर ग्राम की गाटा संख्या 37/332, चकमार्ग की पैमाइश कर चिन्हित किया गया। इसी प्रकार शिकायतकर्ता सुनीता देवी की शिकायत पर ग्राम की गाटा संख्या 162,पशुवर भूमि की पैमाइश कर चिन्हित किया गया।

ग्राम कमालपुर में भूमि विवाद की शिकायतों का मौके पर निस्तारण

कौशांबी एसडीएम सिराथू योगेश कुमार गौड़ ने मंगलवार को ग्राम कमालपुर में कैम्प आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया गया। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

अखंड भारत संदेश

कौशांबी बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत संचालित सरकारी विद्यालयों में अध्यापकों की मनमानी बढ़ती जा रही है शिक्षण कार्य चौपट हो गए हैं और जब अभिभावक शिक्षक कार्य सुधारने की बात करते हैं तो विद्यालय के शिक्षक आम बबूला हो जाते हैं जिससे सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है लेकिन बेसिक शिक्षा अधिकारी शिक्षकों के कारनामों पर अंकुश लगाते नहीं दिख रहे हैं शिक्षकों के तमाम कारनामों में चायल तहसील क्षेत्र के काजू गांव के टीका का पूरा सरकारी विद्यालय की महिला शिक्षक का उदाहरण पूरी व्यवस्था को बेनकाब करने के लिए पर्याप्त है इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी मूरतगंज हिना सिद्दीकी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों में समझौता करा दिया गया है हालांकि उन्होंने महिला शिक्षक की करतूत पर कार्रवाई करने का भरोसा दिया है महिला शिक्षक का नाम उन्होंने अनीता बताया है। काजू गांव के सरकारी विद्यालय की महिला शिक्षक द्वारा अभिभावक को चप्पल से दौड़ा दौड़ा कर पीटा गया है जिसका किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है पीटने का वीडियो वायरल होने के बाद पूरी शिक्षा विभाग की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए



है विद्यालय की चौपट शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाले अभिभावक ने विद्यालय में वीडियो बनाना शुरू कर दिया वीडियो बनाने से बौखलाई महिला शिक्षक ने विद्यालय में विद्यार्थियों के सामने जाहिल गंवार जैसा परिचय देते हुए अभिभावक को चप्पल से पीटना शुरू कर दिया महिला शिक्षक के अनुशासनहीनता का अंदाजा

जुते मारने की धमकी देने वाले दागी लेखपाल का शहजादपुर से कैसा अटूट नाता

कागज़ पर सस्पेंड, ज़मीन पर फुल अटेंड

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी फरियादी को '20 जुते मारने' की संरेआम धमकी देने वाले विवादित लेखपाल सुनील द्विवेदी का रसूखा निलंबन के बाद भी कम होने का नाम नहीं ले रहा है। सरकारी आदेशों को ठेंग पर रखकर निलंबित लेखपाल का शहजादपुर क्षेत्र में लगातार मंडराना और राजस्व कार्यों में दखल देना अब क्षेत्र में भारी चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर एक नया वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों ने अब सीधे तहसील प्रशासन की साठगांठ पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।सूत्रों की मानें तो फरियादी से बदसलूकी का वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन ने आनन-फानन में सुनील द्विवेदी को निलंबित कर विभागीय जांच तो बैठा दी,लेकिन जमीन पर इसका कोई असर नहीं दिख रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का दावा है कि निलंबन से पहले द्विवेदी का कार्यक्षेत्र

अलग था लेकिन वह लगातार शहजादपुर इलाके में ही सक्रिय रहते आए हैं। हद तो तब हो गई जब निलंबन के बाद भी उन्हें कई बार राजस्व संबंधी गतिविधियों को निपटाते और क्षेत्र में बकायदा 'साहब' की तरह रौब झाड़ते देखा गया।[आखिर निलंबन की अवधि में, जब विभागीय जांच चल रही है, तब एक दागी लेखपाल दूसरे के कार्यक्षेत्र शहजादपुर में किसकी शह पर सहानांतर सरकार चला रहा है तमाशालोके गलियारों में तैरती खबरों के मुताबिक,इस विवादित लेखपाल के तार तहसील के कुछ रसूखदार उच्च अधिकारियों से बेहद गहराई से जुड़े हुए हैं। इसी 'वरदहस्त' और करीबी संबंधों के दम पर लेखपाल का प्रभाव निलंबन के बाद भी जस का तस बना हुआ है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि शहजादपुर से लेखपाल का यह 'विशेष मोह' बिना किसी बड़े स्वास्थ या अंतरूनी सेंटिंग के मुमकिन नहीं है जनता में आक्रोश

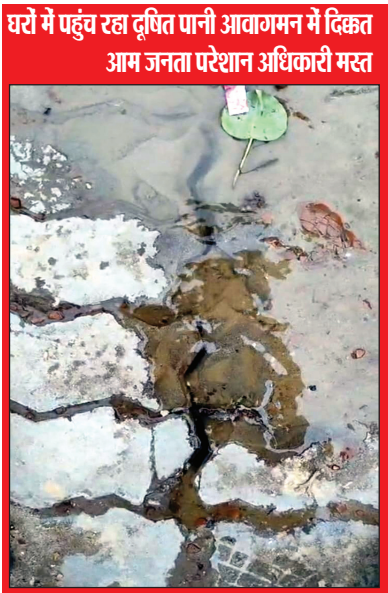
है सोशल मीडिया पर गुस्सा दिख रहा है गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले जब लेखपाल द्वारा एक पीड़ित फरियादी को ₹20 जुते मारनेकी धमकी का वीडियो सामने आया था,तो प्रशासिक अमल में हड़कंप मच गया था। तब जनता के दबाव में आकर प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से निलंबन की कार्रवाई की थी। लेकिन अब निलंबन के बाद भी क्षेत्र में उनकी बेखौफ मौजूदगी ने जनता के आक्रोश को दोबारा भड़का दिया है। सोशल मीडिया पर भी इस मामले को लेकर लोग स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर तीखे तंज कस रहे हैं और तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।अब देखा जा यह है कि इस नई वीडियो के वायरल होने और जनता के सवालों के बाद कौशाम्बी का जिला प्रशासन इस 'रसूखदार' निलंबित लेखपाल पर वाकई कोई ठोस कार्रवाई करता है, या फिर साठगांठ का यह खेल यूं ही परदे के पीछे चलता रहेगा

यूपीआई क्रॉड में गवाए 14 हजार रुपए एमआरएम पोर्टल से पीड़ित को साइबर थाना पुलिस ने कराया वापस

कौशाम्बी साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसकर ऑनलाइन णी का शिकार हुए एक व्यक्ति के 14,000 रुपए साइबर क्राइम थाना पुलिस टीम नेएमआरएम पोर्टल के माध्यम से वापस करार है पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के मिरदनर का पुरवा,अंधावा निवासी मसरुर अहमद पुत्र मासूम अहमद के साथ 07.09.2025 को यूपीआई कके जरिए ऑनलाइन धोखाधड़ी की गई थी। ठगो ने रिश्तेदार बनकर फोन कॉल कर उनसे 14,000 रुपए ट्रांसफर करवा लिए थे।इस संबंध में पीड़ित ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी के निर्देशन में साइबर क्राइम थाना और साइबर सेल की टीम ने कार्रवाई शुरू की। साइबर टीम के प्रयासों से 08 जुलाई को एमआरएम पोर्टल के माध्यम से पूरी 14,000 रुपए की धनराशि आवेदक के खाते में वापस कराई गई। ऐसे वापस मिलने पर पीड़ित ने कौशाम्बी पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि साइबर अपराध से बचने के लिए सतर्क रहे। किसी के लालच में न आए और अनजान लिंक पर क्लिक न करें। साइबर अपराध होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें और शिकायत दर्ज कराएं।

पानी सफ़्लाई का पाइप दर्जनों जगह फटा पानी भरने से सड़कों पर हुए गह्वे

हररायपुर **कौशांबी** जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा गांव-गांव में पानी सफ़्लाई किए जाने के लिए पानी टीका का निर्माण कर पाइपलाइन बिछाई थीं लीकिन विभागीय अधिकारियों की ठेकेदारों से साठ गांठ के चलते घंटिया ढ़ाल्टी की पाइपलाइन डालकर के ठेकेदारों ने करोड़ों की रकम निकाल ली है जिससे पाइपलाइन खराब होने लगी है और जगह-जगह पर जल निगम का पाइप फट गया है जिससे जल निगम के पाइपलाइन से पानी बह कर सड़क में भर रहा है एक तरफ सड़क खराब हो रही है दूसरे तरफ आम जनता को आवागमन में दिक्कत हो रही है योजना के संचालन में करोड़ों की रकम भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है आम जनता को शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है मूरतगंज विकासखंड क्षेत्र के आलम चांद से हररायपुर तक दर्जनों स्थानों पर जल निगम का पाइपलाइन फट चुका है जिससे हजारों लीटर पानी प्रतिदिन बर्बाद हो रहा है सड़क पर पानी भरने से सड़के खराब हो रही है और बड़े-बड़े गड्ढे हो रहे हैं एक तरफ सड़क पर गड्ढे होने से लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है दूसरी तरफ पाइप फटा होने से सफ़्लाई के बाद जब पानी बंद किया जाता



है तो सड़क का कीचड़ पाइप में वापस पहुंच जाता है जिससे घरों में दूषित पानी पहुंच रहा है ग्रामीणों

ने कई बार विभाग में शिकायत किया लेकिन उसके बाद भी जल जीवन मिशन का पाइपलाइन ठीक नहीं हुआ है अब सवाल यह उठता है कि घंटिया ढ़ाल्टी का पाइप लगाने के बाद करोड़ों का बजट निकालने वाले ठेकेदारों और विभागीय अधिकारियों के कारनामों पर आखिर शासन प्रशासन जांच करा कर उनके भ्रष्टाचार को बेनकाब क्यों नहीं कर रहा है भ्रष्टाचार कर करोड़ों रकम की हेरा फेरी करने वाले विभागीय अधिकारी और ठेकेदारों पर मुकदमा दर्ज करारकर उनकी गिरफ्तारी क्यों नहीं कराई जा रही है ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट क्यों नहीं किया जा रहा और अधिकारियों को निलंबित क्यों नहीं किया जा रहा ग्रामीण क्षेत्र की जनता ने सवाल उठाया है कि क्या जल जीवन मिशन के भ्रष्टाचार में शासन प्रशासन के बड़े अफसर भी हिस्सेदार हैं जिससे पूरी पाइपलाइन फट जाने के बाद अभी तक दोषी ठेकेदार और अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज करारकर उनकी गिरफ्तारी नहीं कराई गई है घंटिया पाइपलाइन बिछाने वाले अधिकारियों ठेकेदारों से भ्रष्टाचार के करोड़ों की रकम रिकवरी नहीं कराई गई है जिससे विभाग के कारनामों पर सवाल खड़ा होता है

न्यूज झरोख्या

बद्री विशाल पाण्डेय ने जनपद न्यायाधीश, कौशाम्बी के पद पर ग्रहण किया कार्यभार

कौशांबी माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद की अधिसूचना सं0 2022 / एडमिन (सेवायें)/2026, दिनांकित 02.07.2026 के अनुपालन में श्री बद्री विशाल पाण्डेय, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, देवरिया ने जनपद न्यायाधीश,कौशाम्बी के पद का कार्यभार दिनांक 08.07.2026 को ग्रहण कर लिया गया है।



नगर पालिका मंझनपुर में वन महोत्सव के अंतर्गत वृहद पौधरोपण

कौशाम्बी नगर पालिका परिषद मंझनपुर द्वारा एमआरएफ सेंटर परिसर में वृहद पौधरोपण का 17 अंश मा आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सनोज फौजी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश दिया। इस दौरान रैली निकालकर लोगों को पौध लगाने के प्रति जागरूक किया गया उन्होंने कहा कि ह्रवृक्ष केवल प्रकृति की धरोहर नहीं,बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की अमूल्य विरासत हैं ह्र्द सभी नागरिकों से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया गया।कार्यक्रम में लेखा लिपिक संजय कुमार गुप्ता,विजय तिवारी एवं नगर पालिका परिषद के कमचर्ची उपस्थित रहे।

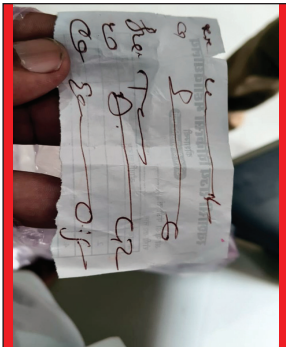


दो माह से गिरा बिजली का तार रिश्तत मांगने का आरोप

कौशांबी। म्योहर उपखण्ड बेनोाम कटरा पावर हाउस क्षेत्र के जवंतीपुर गांव में डिग्री कॉलेज के पीछे करीब दो माह से बिजली का तार गिरा हुआ है। आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद बिजली विभाग के कमचर्ची और अधिकारियों ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है ग्रामीणों का कहना है कि खेतों की सिंचाई प्रभावित हो रही है और फसल की बुआई का समय होने के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है आरोप है कि बिजली विभाग के कुल कमचर्ची मरमत्त कार्य के बदले रुपए की मांग करते हैं और कहते हैं कि रुपए दिया जाएगा तभी काम किया जाएगा।ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए जल्द से जल्द गिरे हुए बिजली के तार को ठीक कराने तथा दोषी कमचर्चारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो किसानों का नुकसान और बढ़ सकता है।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कौशाम्बी में ऑन लाइन आवेदन की तिथि 11 जुलाई से 4 अगस्त तक

कौशांबी में ऑनलाइन आवेदन की तिथि 11 जुलाई से 4 अगस्त तक रहेगी जिसमें विभिन्न प्रकार के ट्रेड में छात्र छात्राएं आवेदन कर सकते हैं यह जानकारी प्रधानाचार्य यजुवेंद्र नाथ राजकीय आईटीआई के द्वारा दी गई है



दवा नहीं मिल पाती है और जिन मेडिकल स्टोर से इन सरकारी डॉक्टरों का कमीशन सेट है उस मेडिकल स्टोर का संचालक इन डॉक्टरों के राइटिंग से लिखी पर्चों की दवाई को पढ़ लेता है और मनमानी कीमत पर दवाई उपलब्ध करा देता है हालांकि कमीशन देने वाले मेडिकल स्टोर संचालक दवाई की कीमत 3 गुना

प्राकृतिक खेती और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देगा वमी कम्पोस्ट खाद विक्रय केंद्र

जिलाधिकारी ने महिलाओं की पहल को सराहा, ग्रीन गोल्ड' वमी कंपोस्ट केंद्र का कराया उद्घाटन

कौशांबी जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने गुरुवार को ग्राम म्योहर में तिरंगा महिला आजीविका स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष पूनम से फीता कटवाकर वमी कंपोस्ट खाद विक्रय केंद्र का उद्घाटन कराया जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सहानीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वमी कंपोस्ट उत्पादन एवं विक्रय का कार्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि वमी कंपोस्ट के प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है तथा गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित कृषि उत्पादन सुनिश्चित होता है जिलाधिकारी ने उपस्थित



महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि समूहों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं और अपनी आय में वृद्धि कर परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकती हैं।इस वमी कंपोस्ट खाद किक्रय केंद्र का संचालन तिरंगा महिला आजीविका स्वयं सहायता

समूह द्वारा किया जा रहा है। समूह द्वारा तैयार की गई वमी कंपोस्ट खाद को ग्रीन गोल्ड नाम दिया गया है। किसानों एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए इस जैविक खाद का मूल्य 10 रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रबर बुलेट और आंसू गैस के गोलों से गूंजी पुलिस लाइन, बलवाइयों को खदेड़ने का रिहर्सल

चित्रकूट। जिले में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले उपद्रवियों और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए चित्रकूट पुलिस पूरी तरह ह्वाएक्शन मोडह्छ में है। शुक्रवार को पुलिस लाइन में इसी का सजीव नजारा देखने को मिला। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में जवानों ने दंगा नियंत्रण (मॉक ड्रिल) का कड़ा पूर्वाभ्यास किया। इस दौरान उग्र भीड़ को तितर-बितर करने और हालात पर काबू पाने की रणनीति परखी गई।

शुक्रवार की पेरड की सलामी के बाद अपर पुलिस अधीक्षक पीयूष कान्त राय की मौजूदगी में जिले भर की पुलिस ने यह रिहर्सल किया। प्रतिसार निरीक्षक राम शीष यादव और आमोरेर ने जवानों को अत्याधुनिक हथियारों के संचालन की बारीकियां सिखाईं। जवानों को एंटी रायट गन, टीयर स्मोक गन, गैस गन और पंप एक्शन गन चलाने का प्रशिक्षण दिया गया।



पूर्वाभ्यास के दौरान अचानक निर्वात्रित करने का डेमो किया गया। भड़की भीड़ (काल्पनिक) को पुलिस बल ने चेतावनी देने के बाद

मदद से वाटर कैनन का इस्तेमाल करने और अंत में लाठीचार्ज कर उपद्रवियों को खदेड़ने का सफल अभ्यास किया। अधिकारियों ने जवानों को इन उपकरणों के सुरक्षित उपयोग और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

मॉक ड्रिल के बाद एसपी अरुण कुमार सिंह ने पुलिस लाइन परिसर का सघन भ्रमण किया। उन्होंने क्वार्टर गार्ड, परिवहन शाखा और यूपी-112 कार्यालय की व्यवस्थाएं परखीं और मातहतों को जरूरी निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने पुलिसकर्मियों का अर्दली रूम लगाकर उनकी विभागीय व व्यक्तिगत समस्याएं सुनीं और त्वरित निस्सारण का आश्वासन दिया। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर सतेन्द्र सिंह, क्षेत्राधिकारी राजापुर यामीन अहमद, प्रतिसार निरीक्षक सहित जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

बाल मजदूरी और बाल विवाह रोकने पर जोर, एसडीएम ने दिए निर्देश

चित्रकूट। वार्ड बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति मऊ की बैठक शुक्रवार को उपजिलाधिकारी राम ऋषि रमन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग और जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रमति गुप्ता के निर्देश पर आयोजित बैठक में बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में एसडीएम ने कहा कि जो बच्चे अनाथ, निराश्रित या संरक्षण की आवश्यकता वाले हैं, उन्हें चिन्हित कर तत्काल सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी महिलाओं को भी योजनाओं से जोड़ा जाए, जो सहायता की पात्र हैं। बाल मजदूरी करते हुए पाए जाने वाले बच्चों को तुरंत चिन्हित कर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही किसी भी स्तर पर



बाल विवाह रोकने के लिए सतर्कता बढ़ाने की कहा गया। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि बच्चों से जुड़े किसी भी संवेदनशील मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी जाए। 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन और 181 वूमन हेल्पलाइन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इन सेवाओं के बारे में जान सकें। बैठक में स्कूल से बाहर बच्चों को चिह्नित कर विद्यालय भेजने के लिए प्रधानाध्यापकों से

बजट मिलते ही कराया जाएगा जल निकासी के नाले का निर्माण : नरेंद्र गुप्ता

●जलभराव की समस्या का कराया गया अस्थायी समाधान

चित्रकूट। नगर पालिका परिषद चित्रकूट धाम कर्वी के वार्ड संख्या-21 शास्त्री नगर में लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका ने अस्थायी व्यवस्था कराई। मोहल्लेवासियों की मांग पर सभासद जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे और जल निकासी की व्यवस्था कराकर लोगों को राहत दिलाई।

इलाहाबाद रोड स्थित डॉ. सुरेंद्र का हाता नई कॉलोनी में बारिश के बाद भारी जलभराव हो गया था। पानी लोगों के घरों तक पहुंचने लगा था, जिससे आवागमन बाधित होने के साथ ही सांप और बिच्छू निकलने की घटनाओं से क्षेत्रवासी दहशत में थे। लगातार बढ़ रही परेशानी को देखते

हुए नगर पालिका की ओर से तत्काल अस्थायी रूप से जल निकासी की व्यवस्था कराई गई। इस दौरान अधिशासी अधिकारी लालजी यादव और सफाई निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला की देखरेख में राहत कार्य कराया गया। मोहल्लेवासियों ने नगर पालिका प्रशासन, सभासद शंकर प्रसाद यादव तथा संबंधित अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए शीघ्र स्थायी समाधान की मांग की।

नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने बताया कि क्षेत्र की समस्या के स्थायी समाधान के लिए बड़े जल निकासी नाले के निर्माण की योजना तैयार है। उन्होंने कहा कि जैसे ही आवश्यक बजट उपलब्ध होगा, नाले का निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराया जाएगा, जिससे भविष्य में जलभराव की समस्या से लोगों को स्थायी राहत मिल सके।

राष्ट्रीय पोषण मिशन के तहत 94 आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को वितरित किए गए निःशुल्क स्मार्टफोन

चित्रकूट। बाल विकास परियोजना कार्यालय रामनगर में राष्ट्रीय पोषण मिशन के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को निःशुल्क स्मार्टफोन वितरित किए गए। कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी महेंद्र पटेल ने 94 आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को स्मार्टफोन प्रदान किए।

बाल विकास परियोजना अधिकारी महेंद्र पटेल ने बताया कि स्मार्टफोन के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां अब विभागीय कार्यों का ऑनलाइन संचालन करेंगी। बताया कि पोषण टैकर पोषण टैकर ऐप के माध्यम से बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं का पंजीकरण, पोषण संबंधी जानकारी, टीकाकरण, गृह भ्रमण, लाभार्थियों का विवरण तथा अन्य विभागीय सूचनाएं डिजिटल रूप से दर्ज की जाएंगी। इससे कार्यों में पारदर्शिता आएगी और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता



मिलेगी।और आकांक्षी ब्लॉक रामनगर के सभी इंडिकेटर को पूरा करने एवं सही डेटा संग्रह करने में मदद मिलेगी। स्मार्टफोन प्राप्त करने पर कार्यकर्त्रियों ने शासन की इस पहल की सराहना

करते हुए कहा कि इससे विभागीय कार्यों के निष्पादन में सुविधा मिलेगी और लाभार्थियों तक योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा।

उन्होंने सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों से मोबाइल का सही उपयोग करने तथा शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध रूप से ऑनलाइन डाटा अपलोड करने की

विद्यालय के सामने वर्षों पुरानी जलभराव की समस्या का समाधान



चित्रकूट। मऊ तहसील क्षेत्र के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय परदवा के सामने वर्षों से बनी जलभराव की समस्या का आखिरकार समाधान हो गया। विद्यालय के सामने मुख्य मार्ग के किनारे जल निकासी के लिए नाला न होने से बरसात के दिनों में सड़क और विद्यालय परिसर के बाहर पानी भर जाता था। इससे स्कूली बच्चों, शिक्षकों और ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कई बार लोग फिसलकर घायल भी हो चुके थे।

इस समस्या को लेकर ग्राम प्रधान आनंद कुमार द्विवेदी ने आईजीआरएस के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं विद्यालय के शिक्षक द्वारा भी

आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत भेजी गई। शिकायत का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के निर्देश पर उपजिलाधिकारी मऊ राम ऋषि रमन ने मौके का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान जलभराव की गंभीर स्थिति देखते हुए उपजिलाधिकारी ने तत्काल जेसीबी मशीन बुलवाकर नाले की खुदाई शुरू कराई। वह स्वयं कई घंटों तक मौके पर मौजूद रहकर कार्य की निगरानी करते रहे। नाले की खुदाई पूरी होने के बाद विद्यालय और सड़क पर जल निकासी की व्यवस्था सुचारु हो गई, जिससे वर्षों पुरानी जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या कई वर्षों से बनी हुई थी। स्थानीय लोगों ने कई बार शिकायतें कीं,

लेकिन समाधान नहीं हो पाया था। इस बार जिलाधिकारी के निर्देश और उपजिलाधिकारी की सक्रिय पहल से समस्या का निराकरण होने पर ग्रामीणों ने खुशी जताते हुए प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन ने बताया की पोडब्ल्यूडी विभाग से अवर अभियंता ने बरसात बाद सड़क के दोनों ओर पक्का बनवाने की कार्रवाई होनी है. मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी कृष्ण दत्त पांडे, विद्यालय के सहायक अध्यापक, लेखपाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे। ग्रामवासियों ने कहा कि अब स्कूली बच्चों और राहगीरों को जलभराव से परेशान नहीं होना पड़ेगा तथा आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुरक्षित और सुगम हो गया है।

मां आनंदी माता मंदिर में 11वें विशाल भंडारे का आयोजन, देर रात तक प्रसाद वितरण जारी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मऊ नगर पंचायत क्षेत्र स्थित मां आनंदी माता मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 11वें विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। आज सुबह लगभग 10 बजे से शुरू हुए भंडारे में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और देर रात तक प्रसाद वितरण का क्रम जारी रहा।

मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। नगर पंचायत क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग मां आनंदी के दर्शन करने और प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि मां आनंदी माता इस क्षेत्र की आराध्य देवी हैं और क्षेत्र के कल्याण की भावना से पिछले 11 वर्षों से



लगातार विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मंदिर में श्रद्धालुओं की अटूट आस्था है। यहां लोग अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं और मनोकामना पूर्ण होने पर भंडारे का आयोजन कर सेवा करते हैं। सप्ताह में दो दिन भी श्रद्धालुओं के सहयोग से भंडारे का आयोजन होता है। भंडारे के सफल संचालन में क्षेत्रवासियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मंदिर

समिति के कार्यकर्ता पूरे आयोजन की व्यवस्था संभालते हुए श्रद्धालुओं की व्यवस्थित ढंग से प्रसाद वितरित कर रहे हैं। आयोजन को सफल बनाने में रेवती रमण रस्तोगी, मिथिलेश सोनी, अर्चित शुक्ला, सतीश जायसवाल, सत्येंद्र जायसवाल, अंशु जायसवाल, दीपक सोनी एवं सर्वेश गौतम सहित अनेक कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

डीआईजी कार्यालय के सामने अतिक्रमण से बढ़ा हादसों का खतरा, कार्रवाई की उठी मांग

बाँदा। शहर में डीआईजी कार्यालय के सामने स्थित चौरसिया चाय की दुकान के आसपास कथित रूप से फैलाए जा रहे अतिक्रमण को लेकर स्थानीय लोगों ने चिंता जताई है। लोगों का कहना है कि सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण के कारण यातायात प्रभावित होता है और आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, दुकान के बाहर सड़क तक सामान और बैठने की व्यवस्था होने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। व्यस्त मार्ग होने के कारण कई बार वाहन चालकों को अचानक रास्ता बदलना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाएं होने का खतरा बढ़ जाता है। नागरिकों का आरोप है कि इस समस्या की जानकारी होने के बावजूद संबंधित प्रशासनिक अधिकारी अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। लोगों ने जिला प्रशासन और नगर पालिका से सड़क पर हुए कथित अतिक्रमण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा यातायात व्यवस्था सुचारु कराने की मांग की है।



जौनपुरिया अधिकारी ने चित्रकूट की ब्लड कैंसर से जूझ रही मासूम कन्या भार्गवी के इलाज का जिम्मा उठाया

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। ब्लड कैंसर से जूझ रही मासूम भार्गवी के इलाज के लिए देवदूत वानर सेवा संगठन के संरक्षक एवं समाज कल्याण विभाग में उपनिदेशक अजीत प्रताप सिंह ने आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभाली है। बच्ची का हैप्लो बोन मैरो ट्रांसप्लांट होना है और इसके लिए उसे अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है,

राजीव गाँधी कैंसर हॉस्पिटल दिल्ली द्वारा भार्गवी के इलाज और बोन मैरो ट्रांसप्लांट पर करीब 50 लाख रुपये खर्च होने का इस्टीमेट दिया गया है। संगठन के आह्वान पर समाज के सहयोग से अब तक लगभग 14 लाख रुपये की व्यवस्था हो चुकी है, जबकि शेष धनराशि जुटाने के प्रयास जारी हैं।



अजीत सिंह के आह्वान पर चित्रकूट के कई राजनीतिक चेहरे, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई है। बताया गया कि अजीत सिंह कोरोना काल से ही जरूरतमंद मरीजों

और असहाय लोगों की मदद के लिए लगातार सक्रिय रहे हैं। उनके प्रयासों से कई गंभीर मरीजों को समय पर इलाज मिल सका है। अब उन्होंने मासूम भार्गवी के इलाज का भी बीड़ा उठाया है और समाज से सहयोग की अपील की है और उनकी अपील पर कई सामाजिक संगठन भी इस पुनीत कार्य में कन्या के जीवन को बचाने में लगे हुए हैं!

उन्होंने कहा कि यह केवल आर्थिक मदद का विषय नहीं, बल्कि मानवता की मिसाल पेश करने का अवसर है। यदि अधिक से अधिक लोग सहयोग के लिए आगे आएँ तो बच्ची का इलाज पूरा कराया जा सकता है और उस मासूम बटिया को नया जीवन मिल सकता है।

बाँदा। बबेरू कस्बे के शहीद पत्रकार स्वर्गीय सुरेश चंद्रगुप्त को याद करने के लिए प्रेस क्लब पूरी तरह तैयार है। 13 जुलाई को मनाए जाने वाले 'शहीद दिवस' कार्यक्रम को लेकर प्रेस क्लब बबेरू की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। बबेरू के कमसिन रोड स्थित शहीद पत्रकार स्वर्गीय सुरेश चंद्रगुप्त स्मारक पार्क में आज शुक्रवार को शाम प्रेस क्लब की एक विशेष बैठक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य 13 जुलाई को आयोजित होने वाले 'शहीद दिवस' कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देना था।

इस दौरान प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से कार्यक्रम की जिम्मेदारी साझा की और भव्य आयोजन की रूपरेखा तैयार की। बैठक में यह सुनिश्चित किया गया कि 13 जुलाई को सुबह 9:00 बजे से शहीद पत्रकार स्वर्गीय सुरेश चंद्रगुप्त की पुण्यतिथि को 'शहीद दिवस'



के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। बैठक में प्रेस क्लब अध्यक्ष कमलेश कुमार चौरसिया, संरक्षक शिव विलास शर्मा, महासचिव जितेंद्र श्रीवास जीतू, कोषाध्यक्ष विनय सिंह सहित नंदू चतुर्वेदी, राम तिवारी, कासिम खान, प्रबंधन गुप्ता, शुभम वाजपेई, अखिलेश

पासवान, शिवपूजन सिंह, अजय श्रीवास्तव, नवल तिवारी और नथू पटेल समेत दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

यूएई से पाकिस्तान आ रहे विमान में ऐसा क्या था, बीच आसमान हुआ गायब !

पाकिस्तान
पाकिस्तान के पैरों तले जमीन खिसका देने वाला एक ऐसा खुलासा हुआ है जिसमें लाहौर, कराची और इस्लामाबाद हर तरफ इस वक्त अफरातफरी मचा दी है। दरअसल आपको बता दें कि पाकिस्तान का एक प्लेन कार्गो प्लेन है जो सामान से लदा हुआ था। कराची पहुंचने के पहले ही अचानक गायब हो गया। कुछ लोग भी इसमें सवार थे। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इस बोइंग कारगो प्लेन में ऐसा क्या सामान था और कितने का था जो अचानक ये गायब हो गया? क्या इसे किसी ने गायब करवाया है? पाकिस्तान का ये जो सामान है ये आखिर कहाँ भेजने वाला था? बीच रास्ते इतना बड़ा खेल कैसे हो गया? सोचने वाली बात यह है कि जब मौसम में कोई भी खराबी नहीं थी। जब प्लेन का नेविगेशन सिस्टम एकदम ठीक काम कर रहा था तो लैंडिंग के कुछ सेकंड के अंदर ही अचानक प्लेन आखिर कैसे गायब हो

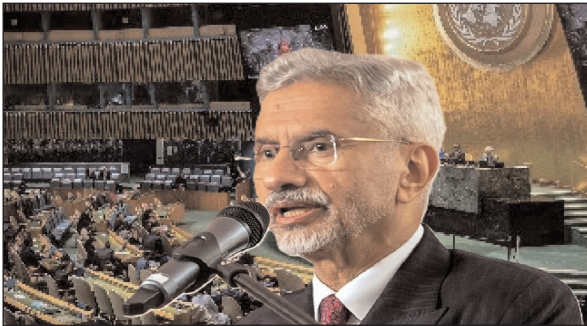


गया? क्या पाकिस्तान के हुक्मरानों ने किसी साजिश के तहत इसे छूम अंतर करवा दिया है? रिपोर्ट्स सामने आई हैं उसके मुताबिक यूएई के शाहजहां से कराची आ रहा के2 एयरवेज का 27 साल पुराना बोइंग 737

कारगो विमान मंगलवार रात पाकिस्तान के एयर ट्रैफिक कंट्रोल के संपर्क से बाहर हो जाता है। विमान में पांच क्रू मेंबर सवार थे। रात करीब 9:18 पर पायलट ने नेविगेशन सिस्टम में खराबी होने की सूचना दी और

महज कुछ ही सेकंड के बाद प्लेन जो है यह रडार सिस्टम से गायब हो जाता है। आखिरी बार विमान कराची के करीब 155 नॉटिकल पर पाया गया। लगभग यह 200 कि.मी. दूर था। फ्लाइट रडार 24 के शुरूआती डाटा के मुताबिक विमान ने पहले ऊंचाई खोई। फिर थोड़ी देर यह ऊपर गया और उसके बाद अचानक यह तेजी से नीचे आ गया। शुरूआती आशंका यह है कि विमान अरब संस्थता का वो मास्टर प्लान है जिसे दुनिया के कई देश बचा नहीं पा रहे हैं। दरअसल भारत अपनी दावेदारी उस वक्त पेश कर रहा है जब दुनिया एक ज्वालामुखी के मुहाने पर बैठी है। यूक्रेन युद्ध थमा नहीं था कि मिडिल ईस्ट में आग लग गई। ईरान पर इजराइल और अमेरिका के दबाव ने पूरे ग्लोबल साउथ को हिलाकर रख दिया।

जयशंकर तोड़ेंगे तजाकिस्तान और ओआईसी का चक्रव्यूह !



आज विकासशील देश खाद्य और ईंधन के संकट से करा रहे हैं। भारत यहां एक मसीहा के रूप में उभर रहा है और डॉक्टर एस जयशंकर का तर्क सीधा है कि अगर संयुक्त राष्ट्र में बड़े पैमाने पर सुधार नहीं हुआ तो यह संस्था अपनी प्रासंगिकता खो देगी। लेकिन सुधारों की इस मांग के बीच असली खेला शुरू हुआ है एशिया पसिफिक की उस एक सीट के लिए जिस पर भारत और तजाकिस्तान दोनों की नजरें हैं। अब बात करते हैं उस अड़िंगे की जिसने भारत की चिंता बढ़ा दी है। दरअसल इस अड़िंगे का नाम है तजाकिस्तान और ओआईसी का चक्रव्यूह। तजाकिस्तान ने भी इसी सीट के लिए दावा ठोक दिया है। लेकिन चौंकाने वाली बात यह नहीं है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस्लामिक सहयोग संगठन यानी कि ओआईसी ने खुलेआम तजाकिस्तान को अपना समर्थन दे दिया। इसका सीधा मतलब 57 वोट एक मुस्त तजाकिस्तान की झोली में यहां एक कूटनीतिक पेच समझिए।

ट्रंप ने ईरान के आम लोगों से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करने की धमकी दी

अमेरिका
डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पास कई कमर्शियल जहाजों पर हमले के बाद वह ईरान पर फिर से नौसैनिक नाकेबंदी लागू कर सकते हैं। नाटो शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा कि हम नाकेबंदी फिर से लागू कर सकते हैं। और यह नाकेबंदी सिर्फ ईरान के लिए होगी, बाकी कोई भी कुछ भी कर सकता है, जाहिर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के साथ भविष्य में होने वाले किसी भी परमाणु समझौते के टिके रहने पर संदेह जताया। उन्होंने पत्रकारों से कहा मुझे पक्का नहीं पता कि ईरान के मामले में ऐसा होगा या नहीं। अगर हम ईरान के साथ कोई समझौता करते हैं, तो मुझे यकीन नहीं है कि वह टिक पाएगा, क्योंकि मुझे वे लोग बहुत

बेईमान लगे हैं। ट्रंप का कहना है कि ईरान के नेताओं ने खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए थोड़ी देर रुकने की मांग की थी। डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों पक्षों के बीच हाल ही में बड़े हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि ईरान ने पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान 'थोड़ी देर रुकने' (टाइमआउट) की मांग की थी। युद्ध के पहले दिन अमेरिका-इजराइल के हमलों में खामेनेई मारे गए थे और उनका अंतिम संस्कार एक हफ्ते तक चला था। ट्रंप ने कहा उन्होंने थोड़ी देर रुकने की मांग की थी, वे खामेनेई के अंतिम संस्कार में जाना चाहते थे। मैंने कहा कि उन्हें इसकी इजाजत दे दी जाए, लेकिन उन्होंने मिसाइलें दागनी शुरू कर दीं। उन्होंने



माना, मतलब, यह एक अजीब बात थी। अब हमने उन्हें मार ही दिया है, तो मुझे लगता है कि आपको इसे उसी नजरिए से

देखना होगा। ट्रंप ने आगे कहा, उन्होंने यह भी कहा था कि हम उन्हें न मारें, और हमने कहा कि हम आपको नहीं मारेंगे यह बात

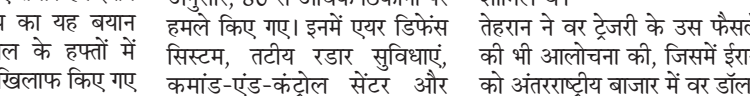
अंतिम संस्कार के दौरान हुई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ईरान के आम लोगों से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करने और खार्ग द्वीप (वहां मौजूद तेल इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ) पर कब्जा करने की धमकी दी, क्योंकि तेहरान के साथ उनका सीजफायर टूटता हुआ दिख रहा था। ट्रंप ने यह धमकी तब दी जब उन्होंने घोषणा की कि अमेरिका, खाड़ी में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरानी हमलों के बाद ईरान के खिलाफ दूसरी रात हमले की तैयारी कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी, तो अमेरिका ईरान के बिजली संयंत्रों और खारे पानी की मीठा बनाने वाले संयंत्रों को नष्ट कर देगा। उन्होंने कहा कि मंगलवार के हमलों में खार्ग द्वीप पर हमले शामिल थे।

भारत आ रहे जहाज पर ड्रोन से हमला



होर्मुज
होर्मुज जलडमरूमध्य में एक बार फिर तनाव चरम पर पहुंच गया है। हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव का असर अब अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार मार्ग पर भी एक बार फिर से साफ दिखाई देने लगा है। इसी बीच कतर से भारत के लिए रवाना हुए एलएनजी से लदे एक विशाल जहाज पर संदिग्ध ड्रोन हमला होने की खबर सामने आई है। इस घटना ने न केवल क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल गैस के कारोबार को लेकर भी नई चिंताएं पैदा कर दी है। एलएनजीसी अल रकायट नाम का एलएनजी जहाज कतर के रास लाफान बंदरगाह से गुजरात की ओर रवाना हो रहा था। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास पहुंचा तभी उस पर संदिग्ध ड्रोन हमला किया

गया। शुरूआती जानकारी के मुताबिक हमले के बाद जहाज के इंजन वाले हिस्से में आग लग गई जिसे चालक दल ने समय रहते नियंत्रित कर लिया। जहाज पर सवार सभी लोग सुरक्षित बताए गए हैं और किसी बड़े पर्यावरणीय नुकसान की भी सूचना नहीं है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब होर्मुज जलडमरूमध्य में पहले से ही तनाव बेहद चरम पर है। हाल के दिनों में इस समुद्री मार्ग से गुजरने वाले कई व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया गया है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव के कारण यह इलाका एक बार फिर वैश्विक चिंता का केंद्र बन गया। अमेरिकी सेना ने हाल ही में ईरानी सैन्य ठिकानों पर कार्रवाई की है जबकि ईरान भी लगातार चेतावनी देता रहा है कि अगर नुकसान पहुंचाया गया तो क्षेत्र में समुद्री आवाजाही प्रभावित हो सकती है।



सबसे बड़े सैन्य अभियानों में से एक को अंजाम देने के कुछ ही घंटों बाद आया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, 80 से अधिक ठिकानों पर हमले किए गए। इनमें एयर डिफेंस सिस्टम, तटीय रडार सुविधाएं, कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर और

होर्मुज जलडमरूमध्य के पास काम कर रहे इस्लामिक रिवाल्व्यूशनरी गार्ड कोर्प्स के लगभग 60 जहाज शामिल थे। तेहरान ने वर ट्रेजरी के उस फैंसले की भी आलोचना की, जिसमें ईरान को अंतरराष्ट्रीय बाजार में वर डॉलर

का इस्तेमाल करके तेल बेचने की इजाजत देने वाले 60 दिन के लाइसेंस को रद्द कर दिया गया था। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि वाशिंगटन ने अंतरिम समझौते के तहत इस व्यवस्था को बनाए रखने का वादा किया था और उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर अपनी जिम्मेदारियों को पूरा न करने का आरोप लगाया। भारत में ईरान के दूतावास ने एक्स पर भ्रंशालय का एक बयान शेयर किया। जिसमें कहा गया कि सैन्य कार्रवाई और आर्थिक उपायों का मिला-जुला असर होर्मुज जलडमरूमध्य में नेविगेशन और सुरक्षा से जुड़े समझौतों का उल्लंघन है।

85 सैन्य ठिकाने फोड़ दिए, ईरान ने अमेरिका से तुरंत लिया तगड़ा इंतकाम !

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर

योग सत्यम् समिति

द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज

1/6C माधव कुंज

कटरा, प्रयागराज से मुद्रित

एवं

क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान

झुंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश

से प्रकाशित

सम्पादक

स्वामी श्री योगी सत्यम्

RNI NO. UPHIN/2001/09025

प्रबन्धक

अनूप मिश्रा

ऑफिस मो.:

9565333000

Email:

akhandbharsatdash1@gmail.com

सभी विवादो का न्याय क्षेत्र

प्रयागराज होगा

अमेरिका
अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिकी सेना की ओर से ईरान के भीतर रणनीतिक ठिकानों पर किए गए हमलों के बाद अब ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। अमेरिकी हमलों के जवाब में बहरीन और कुवैत में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों समेत कुल 85 लक्ष्यों पर ईरान ने मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। ईरान की सकारी न्यूज एजेंसी इरना के अनुसार ईरान की यह सैन्य कारवाही अमेरिकी हमलों का सीधा जवाब है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका ने हाल के दिनों में ईरान के भीतर कई सैन्य अड्डों, रक्षा प्रतिष्ठानों और रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया था जिसके बाद जवाबी कार्रवाई का फैसला लिया गया है।

ईरान ने इसे अपनी संप्रभुता की रक्षा और आत्मरक्षा का अधिकार बताया। ईरान के मुताबिक जवाबी हमलों में मुख्य रूप से बहरीन और कुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बनाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक हमलों के बाद दोनों देशों में हवाई सुरक्षा प्रणालियों को सक्रिय कर दिया गया है और कई इलाकों में एयर रेड सायरन बजाए गए हैं। हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन हमलों में कितना नुकसान हुआ या किसी प्रकार की जनहानि हुई। अमेरिकी अधिकारियों ने हमलों की जानकारी स्वीकार की है। वहीं ईरानी नेतृत्वों ने संकेत दिया है कि जवाबी कार्रवाही का केवल पहला चरण है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि अगर अमेरिका की ओर से आगे कोई सैन्य कार्रवाई होती है तो ईरान भी अपने हमलों

को अंजाम देने के कुछ ही घंटों बाद आया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, 80 से अधिक ठिकानों पर हमले किए गए। इनमें एयर डिफेंस सिस्टम, तटीय रडार सुविधाएं, कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर और

होर्मुज जलडमरूमध्य के पास काम कर रहे इस्लामिक रिवाल्व्यूशनरी गार्ड कोर्प्स के लगभग 60 जहाज शामिल थे। तेहरान ने वर ट्रेजरी के उस फैंसले की भी आलोचना की, जिसमें ईरान को अंतरराष्ट्रीय बाजार में वर डॉलर

का इस्तेमाल करके तेल बेचने की इजाजत देने वाले 60 दिन के लाइसेंस को रद्द कर दिया गया था। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि वाशिंगटन ने अंतरिम समझौते के तहत इस व्यवस्था को बनाए रखने का वादा किया था और उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर अपनी जिम्मेदारियों को पूरा न करने का आरोप लगाया। भारत में ईरान के दूतावास ने एक्स पर भ्रंशालय का एक बयान शेयर किया। जिसमें कहा गया कि सैन्य कार्रवाई और आर्थिक उपायों का मिला-जुला असर होर्मुज जलडमरूमध्य में नेविगेशन और सुरक्षा से जुड़े समझौतों का उल्लंघन है।

आपूर्ति भी इसी की चपेट में आ सकते हैं। विशेष रूप से होम जलडमरूमध्य को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। जहां से दुनिया के बड़े हिस्से की तेल आपूर्ति गुजरती है। किसी भी प्रकार की अस्थिरता, वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों को प्रभावित कर सकती है। मध्य पूर्व के कई देशों ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर चिंता जताई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय लगातार दोनों पक्षों से संयम बरतने और कूटनीतिक समाधान तलाशने की अपील कर रहा है। जानकार मानते हैं कि मौजूदा हालात इलाके को व्यापक सैन्य संघर्ष की ओर धकेल रहे हैं। हालांकि अभी भी यह कहना जल्दबाजी होगी कि पूर्ण पैमाने का युद्ध कब शुरू होगा। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि अमेरिका और ईरान के बीच टकराव एक नए और ज्यादा गंभीर चरण में प्रवेश कर चुका है।

होर्मुज में बड़ा बवाल, कूदी भारत की नौसेना, युद्ध के बीच 15 भारतीयों का रेस्क्यू !

ईरान
आसमान में शिकारी ड्रोन मंडरा रहे हैं और अमेरिका ईरान के बीच कभी भी महायुद्ध छेड़ने का डर। इसी मौत के रास्ते के बीच फंसा था 15 भारतीयों वाला एक विशाल तेल टैंकर ओमेगा ट्रेडर। दुनिया की सुपर पावर अमेरिका और ईरान आमने-सामने है। समंदर बारूद से भरा है। लेकिन तभी लहरों की चिरते हुए इंडियन नेवी की एंटी होती है। होर्मुज यानी समंदर का वो हिस्सा है जो ओमान और ईरान के बीच है। दुनिया का लगभग 21% तेल यहीं से गुजरता है। अगर यह रास्ता बंद हुआ तो भारत ही नहीं पूरी दुनिया में पेट्रोल के दाम रातोंरात डबल हो

सकते हैं। हालांकि ऐसा हो भी चुका है। लेकिन आज यह रास्ता जंग का अखाड़ा बन गया है। हुतियों के हमले हो या ईरान अमेरिका की आपसी रंजिश कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाना अब यहां आम बात हो गई है। ऐसे में ओमेगा ट्रेडर पर मंडराता खतरा सिर्फ एक जहाज का नहीं बल्कि भारत की इकॉनमी और हमारे नागरिकों का जान था। ओमेगा ट्रेडर एक ऐसा जहाज जिस पर 23 जर्जिया सवार थी। इनमें 15 हमारे अपने भारतीय भाई थे और आठ फिलीपींस के नागरिक थे। यह जहाज कच्चे तेल से लबालब भरा था जो इसे एक तैरता हुआ बम बना देता।

एक छोटी सी मिसाइल या ड्रोन हमला और सब कुछ खत्म। भारतीय नौसेना को इंटेलिजेंस इनपुट मिला था कि

भारतीय युद्धपोतों ने ओमेगा ट्रेडर को अपनी सुरक्षा के घेरे में ले लिया और फिर भारतीय नौसेना के कमांडो भी अत्याधुनिक रडार सिस्टम ने जहाज के चारों ओर एक ऐसा सुरक्षा कवच बनाया जिसे भेदना इसी के लिए भी नामुमकिन था। उसी वक्त जब भारतीय नौसेना ऑपरेशन चला रही थी, समंदर में एक और बड़ी हलचल हुई। अमेरिका ने ईरान के उन ठिकानों को चुनचुनकर निशाना बनाया जहां से ड्रोन और मिसाइलें लॉन्च की जा रही थी। ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम और मिसाइल साइट्स पर बमबारी हो रही थी। ईरान ने भी पलटवार किया और पलटवार की धमकी भी दी और

स्थिति ऐसी हो गई कि एक गलतफहमी और तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो सकता था। लेकिन इस भारी तनाव और गोलीबारी के बीच भारतीय नौसेना यानी इंडियन नेवी के जांबाजों ने अपना आपा नहीं खोया। बेहद शांति के साथ हमारे जहाज को उस डेंजर जोन से बाहर खींच दिया। खैर, यह सिर्फ एक रेस्क्यू ऑपरेशन नहीं था। यह नए भारत का नया स्टेटमेंट है। आज भारत सिर्फ सीमाओं की रक्षा नहीं करता बल्कि अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में एक एक नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर की भी भूमिका बरहा रहा है। अधिकारियों का साफ कहना है हमारी नजरें 24 घंटे इस इलाके पर है।

इस इलाके में हमले तेज होने वाले हैं और फिर मोदी सरकार ने बिना देरी किए मिशन मोड ऑन किया।

मेडिकल कॉलेज की बड़ी उपलब्धि, सफल सर्जरी कर निकाला 10 किलो का ट्यूमर,मरीज को मिला नया जीवन

सुलतानपुर-स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के सर्जरी विभाग ने एक अत्यंत जटिल ऑपरेशन कर जिले के चिकित्सा क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है। यहां के कुशल सर्जनों की टीम ने एक मरीज के शरीर से 10 किलोग्राम का एक विशाल और जानलेवा ट्यूमर सफलतापूर्वक निकालकर उसे नई जिंदगी दी है। 129 वर्षीय महिला पिछले काफी समय से गंभीर दर्द और शारीरिक परेशानी से जूझ रही थीं। कई जगह इलाज के बाद भी जब कोई समाधान नहीं मिला तो मरीज स्वशासी मेडिकल कॉलेज सुलतानपुर के सर्जरी विभाग में पहुंचा। यहां वरिष्ठ डॉक्टरों द्वारा की गई जांच में एक विशाल ट्यूमर होने की पुष्टि हुई, जो मरीज की जान के लिए खतरा बन चुका था।

ट्यूमर का आकार अत्यधिक बड़ा होने और महत्वपूर्ण नसों से जुड़े होने के कारण यह सर्जरी बेहद चुनौतीपूर्ण थी। लेकिन



असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुकेश और डॉ सुप्रीत के नेतृत्व में सर्जरी विभाग की टीम ने इस चुनौती को स्वीकारा। इस जटिल

ऑपरेशन के बाद, डॉक्टरों ने 10 किलो जिसकी लंबाई 30 सेंटीमीटर, चौड़ाई 20 और मोटाई 10 सेंटीमीटर के भारी-भरकम

ट्यूमर को शरीर से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस ऐतिहासिक सर्जरी को सफल बनाने में मुख्य सर्जन डॉ सुकेश और डॉ सुप्रीत, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. अमित और नर्सिंग स्टाफ सिस्टर नसीमा, कामिनी, शीलम, प्रतिभा, साहलिया की अहम भूमिका रही। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रियांक वर्मा और डॉ सलिल श्रीवास्तव ने सर्जरी विभाग की इस शानदार सफलता पर पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा हमारे मेडिकल कॉलेज के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति अब पूरी तरह से खतरे से बाहर है और वह तेजी से स्वास्थ्य लाभ कर रहा है। स्वशासी मेडिकल कॉलेज की इस अभूतपूर्व सफलता की पूरे जिले में व्यापक चर्चा हो रही है और स्थानीय लोग डॉक्टरों की इस टीम की जमकर सराहना कर रहे हैं।

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस की व्यापारियों संग बैठक, होटल-ढाबा संचालकों को स्वच्छता और नियम पालन के दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश
भदोही। आगामी सावन माह और कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से भदोही थाना परिसर में होटल, ढाबा, मदिरा और मीट-मछली दुकान संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, स्वच्छता सुनिश्चित करने और श्रद्धालुओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी भदोही सुमित त्रिपाठी तथा अपराध निरीक्षक के नेतृत्व में आयोजित बैठक में बड़ी संख्या में व्यवसायी शामिल हुए। क्षेत्राधिकारी ने कहा कि सावन माह में जिले से बड़ी संख्या में कांवड़िए गुजरेंगे। ऐसे में सभी होटल और ढाबा संचालक स्वच्छता बनाए रखें, भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करें और उचित दरों पर सेवाएं



उपलब्ध कराएं। उन्होंने मदिरा विक्रेताओं को लाइसेंस की शर्तों का पालन करने, नाबालिगों को शराब न बेचने और दुकानों पर अनावश्यक भीड़ नहीं लगने के निर्देश दिए। मीट-मछली विक्रेताओं को दुकान और आसपास की साफ-सफाई बनाए रखने तथा कचरे का उचित निस्तारण करने के लिए कहा गया। इसके अलावा यात्रा मार्गों पर अतिक्रमण न करने, पार्किंग व्यवस्था का पालन करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को

देने के निर्देश भी दिए गए। क्षेत्राधिकारी सुमित त्रिपाठी ने स्पष्ट कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपराध निरीक्षक और थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन को कांवड़ यात्रा के दौरान पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

?3.11 करोड़ के टेंडर पर घमासान:धनपतगंज ब्लॉक की निविदा प्रक्रिया पर उठे गंभीर सवाल

सुल्तानपुर। धनपतगंज विकास खंड में ?3.11 करोड़ के विकास कार्यों की टेंडर प्रक्रिया एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गई है।पहली निविदा एकल बोली मिलने के कारण निरस्त होने के बाद जारी दूसरी अल्पकालीन निविदा पर भी पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए गए हैं। ठेकेदार ने मुख्य विकास अधिकारी को शिकायती पत्र देकर नियमों की अन्देखी, गोपनीय कार्रवाई और निष्पक्ष प्रतिसर्था प्रभावित करने के आरोप लगाए हैं।धनपतगंज विकास खंड द्वारा केंद्रीय वित्त



आयोग के 21 कार्य (?1.43 करोड़) तथा राज्य वित्त आयोग के 19 कार्य (?1.68 करोड़) सहित कुल 40 विकास कार्यों के लिए ?3.11 करोड़ की दूसरी निविदा जारी की गई है। इससे पहले 23

जून को आमंत्रित निविदाएं 7 जुलाई को खोली गई थीं,लेकिन प्रत्येक कार्य पर केवल एक-एक बोली मिलने के कारण शासनादेश के तहत पूरी प्रक्रिया निरस्त कर दी गई थी।

कुड़वार ब्लॉक की प्रतापपुर ग्रामसभा में सड़क पर जलभराव से आवागमन ठप, जिम्मेदार मौन

सुल्तानपुर। कुड़वार विकास खंड की ग्रामसभा प्रतापपुर के पूरे जुगुम तिवारी का पुरवा में सड़क पर लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। सड़क पर जमा गंदे पानी के कारण ग्रामीणों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। लोगों को रोजाना इसी जलभराव से होकर गुजरना पड़ रहा है जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।ग्रामीणों का आरोप है कि ग्रामसभा में तैनात सफाईकर्मी लंबे समय से नदारद है। नियमित सफाई न होने के



कारण नालियां जाम हैं और गंदा पानी सड़क पर फैला हुआ है। हैरानी की बात यह है कि इस ग्रामसभा में समाज सेवी जनप्रतिनिधियों की अच्छी-खासी संख्या होने के बावजूद आज तक इस गंभीर समस्या को प्रमुखता से उठाने का प्रयास नहीं किया गया।

ज्ञानपुर सर्किल में बीट पुलिस की बैठक, हिस्ट्रीशीटों का सत्यापन तेज करने और कानून व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश

अखंड भारत संदेश
भदोही। जिले में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा अपराधियों पर प्रभावी निगरानी के उद्देश्य से ज्ञानपुर सर्किल के चारों थानों के बीट पुलिस कर्मियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में हिस्ट्रीशीटों और अपराधियों का समयबद्ध सत्यापन करने के साथ क्षेत्र में सतर्क निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए।



पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर

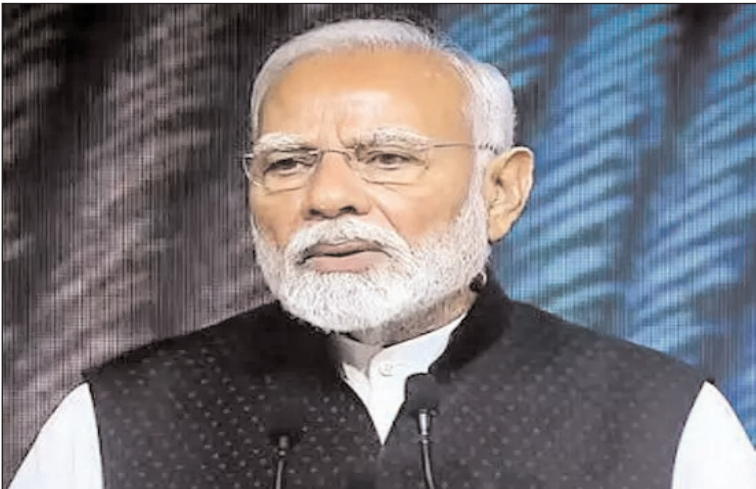
चमन सिंह चावड़ा ने ज्ञानपुर, गोपीगंज, कोईराना और ऊँज थानों के बीट पुलिस कर्मियों के साथ बैठक की। बैठक में क्षेत्राधिकारी ने यक्ष ऐप के माध्यम से हिस्ट्रीशीटों और अपराधियों का सत्यापन निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी बीट पुलिस कर्मी अपने-अपने क्षेत्रों में

सक्रिय अपराधियों, हिस्ट्रीशीटों और संदिग्ध व्यक्तियों पर लगातार नजर रखें तथा ऐप के जरिए सत्यापन की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से पूरा करें। उन्होंने बीट पुलिस कर्मियों को कानून व्यवस्था बनाए रखने, सार्वजनिक शांति कायम रखने और किसी भी अपराधिक गतिविधि को रोकने के लिए नियमित गश्त, जनसंपर्क और सूचना तंत्र को और मजबूत करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए।

आटवां अजूबा रचते महामानव-विश्वगुरु

सर्वमित्रा सुरजन
सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने में भी मोदी के लिए आठ की संख्या ने बड़ा योगदान दिया है। 26 जनवरी 2001 को भुज में विनाशकारी भूकंप आया था। जोड़ आठ का ही बनता है। उस समय केशुभाई पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री थे और इस त्रासदी के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई, फिर वो सत्ता से हटे। दुनिया में हमेशा सात अजुबों की ही बात होती है। भारत तो इन अजुबों का सबसे बड़ा दावेदार है, क्योंकि हमारे पास ताजमहल है, जिसे अजूबा मानकर ही दुनिया भर के सैलानी देखने आते हैं और देखते रह जाते हैं। लेकिन मुगलों की बनाई इस नायाब कृति को पछाड़ने का काम नरेन्द्र मोदी करने जा रहे हैं। सात अजुबों के बाद अब वो आठवें अजूबे के प्रबल दावेदार हो गए हैं। इस गणित को समझना कठिन नहीं है। अगर नरेन्द्र मोदी से पूछेंगे तो वो बता देंगे कि आठ से उनका रिश्ता कितना पुराना है। इस रिश्ते को समझा कर वे अल्वर्ट आइंस्टीन को भी पीछे छोड़ देंगे, जिन्होंने कहा था कि चक्रवृद्धि ब्याज दुनिया का आठवां अजूबा है। जो इसे समझता है, वह कमाता है; जो नहीं समझता, वह चुकाता है। अब भारत के लोग बेचारे कर्ज के बोझ में तो ऐसे दबे हुए हैं कि उनके लिए हर तरह का ब्याज चक्रवृद्धि की तरह ही है। जब तक उन्हें पता चलता है कि हमने इस महीने इतने रुपए कमाए हैं, तब तक उससे कहीं ज्यादा का खर्च मोदी सरकार उनके सामने खड़ा कर देती है। आइंस्टीन ने मोदी का शासन नहीं देखा था, वनां वो चक्रवृद्धि ब्याज को नहीं मोदी शासन के तौर तरीकों को आठवां अजूबा बता देते और शायद इस देश की जनता को नौवां अजूबा, जो सारे जुल्मी-सितम और तकलीफों के बावजूद इस आस में है कि अच्छे दिन आएंगे। अगर अच्छे दिन आने की तारीख में कहीं आठ का अंक आता, तो मोदी इसे ले भी आते। क्योंकि आठ अंक से उन्हें बड़ा लगाव है।

मोदीजी के गणित के हिसाब से चलें तो उनका जन्मदिन 17 सितम्बर को आता है, एक और सात का जोड़ आठ होता है। ऐसे



ही गणित से तो मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांता से अपना रिश्ता जोड़ा है। उन्होंने कहा कि मेरे मित्र का जन्मदिन 17 तारीख को आता है, हालांकि आठ का जोड़ बनाने के लिए मोदी ने 26 तारीख का सहारा लिया। इंडोनेशिया में दिए अपने भाषण में नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने पिछले साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया था और 2 और 6 का जोड़ आठ होता है। मोदी समर्थक ऐसे ही उन्हें विश्वगुरु नहीं बताते हैं। 17 और 26 कितनी अलग संख्याएं हैं, एक विषम है एक सम है, दोनों में एक नजर में कोई समानता नहीं दिखती। अगर समानता दिखाने की चुनौती सामने रखी जाए तो गणितज्ञों को न जाने कितने तरह के फॉर्मूले लगाने पड़ेंगे और तब जाकर कोई मेल दोनों संख्याओं का किया जाएगा। लेकिन बड़ी से बड़ी मुश्किल को आसान करने का नाम ही तो मोदी है। बताइए कितने मजे लेकर कह दिया कि 2 और 6 का जोड़ आठ होता है। ये और बात है कि उन्हें इसके लिए 26 जनवरी याद आई वो भी पिछले साल की। आम भारतीय अब तक यही जानता है कि हमने केवल पिछले साल ही नहीं हर साल 26 जनवरी को ही गणतंत्र दिवस मनाया है। 1950 से यही सिलसिला चल रहा है। अब अगले साल मना पाएंगे या नहीं, क्या मोदी ने

इस बारे में कोई इशारा दिया है। बड़े, सयाने लोग ऐसा ही करते हैं, सीधे-सीधे चेतावनी न देकर इशारों में समझते हैं। इस तरह जनता की समझदारी की परीक्षा भी हो जाती है। जैसे जब नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि मैं सत्ता में आऊंगा तो हरेक के खाते में 15-15 लाख डालूंगा, तो लोगों ने उनकी बात का यकीन कर लिया था। अब 15 लाख नहीं आए तो दोष मोदी पर डाल रहे हैं कि वादाखिलाफी की। लेकिन गौर से देखें तो इसमें जनता के गणित की कमजोरी निकली। 15 यानी एक और पांच का जोड़ छह होता है। अंग्रेजी में छह लिखें तो तुम्हारा छह मेरा नौ या मेरा छह तुम्हारा नौ हो सकता है। जिस संख्या में यही तय न हो कि वो असल में क्या है, उसे लेकर कहीं किसी भी बात पर यकीन ही नहीं करना चाहिए था। मोदी ने तो जनता के यकीन और समझदारी की परीक्षा ली, जिसमें जनता फेल हो गई। अब ये कोई नीट पेपर लीक का मामला तो है नहीं कि बार-बार उसे कराया जाए। इसलिए अब 15 लाख वाली बात को जुमला बोलकर अमित शाह ने ठंडे बस्ते में डालने का पुण्य काम किया है। मोदी अगर कहते कि मैं सबके खाते में 17-17 लाख डालूंगा, तब उनसे सवाल किए जाने थे। वैसे आठ से मोदी का रिश्ता केवल गणतंत्र दिवस और जन्मदिन तक सीमित नहीं है। वो अपने कार्यकाल की शुरुआत से इसे निभाते

आ रहे हैं। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, यहां भी जोड़ आठ बैठा। इसमें आठ देशों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की थी, पाकिस्तान से प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, श्रीलंका से राष्ट्रपति महिंद्रा राजपक्षे, अफगानिस्तान से राष्ट्रपति हमिद करज्ज़ी, नेपाल से प्रधानमंत्री सुशील कोइराला, भूटान से प्रधानमंत्री शेर्गिंग टाबगे, मालदीव से राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन, बांग्लादेश से संसद की स्पीकर शिरिन शर्मिन चौधरी और मरीशस से प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम मोदी के प्रधानमंत्री बनने के साक्षी बने। मोदी ने नोटबंदी का फैसला 8 नवंबर को ही लिया। जब राष्ट्र के नाम संबोधन करना हो तो मोदी रात आठ बजे का वक़्त ही चुनते थे। पिछले कुछ बार से इसमें तब्दीली आई है वनां आठ से मोदी का रिश्ता तोड़ना कठिन था। सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने में भी मोदी के लिए आठ की संख्या ने बड़ा योगदान दिया है। 26 जनवरी 2001 को भुज में विनाशकारी भूकंप आया था। जोड़ आठ का ही बनता है। उस समय केशुभाई पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री थे और इस त्रासदी के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई, फिर वो सत्ता से हटे और अक्टूबर 2001 में नरेंद्र मोदी को गुजरात का नया मुख्यमंत्री बनाया गया था। तब तक मोदी विधायक तक नहीं बने थे, लेकिन सारे दिग्गज नेताओं को पछाड़ते हुए अटलबिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया। इसके बाद 24 फरवरी 2002 को हुए उपचुनाव में मोदी पहली बार विधायक बने। इस संख्या के जोड़ में अतिरिक्त दो आ गया है, लेकिन ये वैसा ही है जैसे मोदी ने एक्स्यू 2 एबी का फामुल्ला कनाडा में बताया था। ये भी मोदी की राजनैतिक दूरदर्शिता ही है कि आठ के अंक के अलावा 2 एक्स्यू साथ में रखो, न जाने कब कहां कौन सा फामुल्ला फिट करने की जरूरत पड़ जाय। विश्वगुरु मोदी के लिए नए फामुल्ले गढ़ना तो बाएं हाथ का काम है। अपनी बुद्धि का कमाल वो अमेरिका में भी दिखा चुके हैं। ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन बोलते रह गए, मोदी ने फौरन उसमें फिट होने का प्लान तैयार किया।

सात्यकी चक्रवर्ती
प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की पूरी जानकारी तो नहीं है, लेकिन वरिष्ठ अधिकारी लैंडाऊ के बयान का लहजा कई व्यापार विशेषज्ञों की उन आशंकाओं को सही ठहराता है कि अमेरिका जल्दबाजी में भारत पर ऐसा व्यापार समझौता थोप रहा है जिसमें सिर्फ अमेरिका के हितों की रक्षा हो रही है, भारत के नहीं।

ट्रंप-मोदी की दोस्ती और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता जारी रहने के बीच, पूर्व भारतीय गुप्तचर विभाग के प्रमुख विक्रम सूद ने रविवार को एक ब्रिटिश नेटवर्क को दिए साक्षात्कार में कहा कि वर्तमान अमेरिकी डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट क्रिस्टोफर लैंडाऊ ने मार्च 2026 में अपने भारत दौरे के दौरान भारतीय अधिकारियों से कहा था कि वाशिंगटन भारत की तेज आर्थिक विकास को रोकने के लिए टैरिफ, प्रतिबंध और दूसरे तरीकों का इस्तेमाल करेगा और भारत को अमेरिका के साथ मुकाबला करने वाली एक बड़ी ताकत के तौर पर उभरने नहीं देगा। सूद के मुताबिक लैंडाऊ ने उस नई दिल्ली बैठक में कहा था, 'हमने चीन को एक बड़ी आर्थिक ताकत बनने में मदद करके गलती की। हम भारत के साथ ऐसा नहीं करने जा रहे हैं। हम वह गलती दोबारा नहीं करेंगे।' सूद ने यह साक्षात्कार ब्रिटिश कंरेंट अफेयर्स प्रोग्राम न्यू ऑर्डर में दिया था, जिसे होस्ट ने लैंडाऊ की टिप्पणी के मूल वीडियो के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इस साक्षात्कार ने राजनयिक हलकों में हंगामा मचा दिया है। लैंडाऊ अभी भी डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट हैं और उन्हें ट्रंप की



मगा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) लांबी के साथ-साथ अपने बांस सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रूबियो के भी करीब माना जाता है। जहां तक भारत-अमेरिकी रिश्तों की बात है, रूबियो सबसे ज्यादा दिखने वाले अमेरिकी अधिकारी हैं, लेकिन लैंडाऊ ट्रंप प्रशासन के मन की बात कहते हैं। वह द्विपक्षीय रिश्तों के भविष्य के बारे में अमेरिकी सोच के बारे में खुलकर बात करते हैं। हाल के दिनों में, ट्रंप प्रशासन भारत सहित भारत-प्रशांत सुरक्षा के अपने पुराने विचार में कम दिलचस्पी ले रहा है। ट्रंप प्रशासन की बड़ी एशिया रणनीति में भारत को अहमियत कम हो गई है। यह सब इस साल मई में बीजिंग में ट्रंप-शी जिनांपिंग शिखर सम्मेलन के बाद हुआ है। नतीजतन, अब उसका ध्यान भारत से व्यापार और रक्षा खरीद में ज्यादा से ज्यादा छूट लेने पर है, और साथ ही यह पक्का करना है कि भारत विकास की रफ्तार अमेरिकी आर्थिक शक्ति के लिए कोई खतरा न बने। भारतीय विदेश मंत्रालय भी अमेरिकी डिप्टी सेक्रेटरी क्रिस्टोफर लैंडाऊ की टिप्पणी के असली मतलब का अंदाजा लगा रहे हैं, लेकिन चीन ने तुरंत प्रतिक्रिया दी क्योंकि लैंडाऊ ने

चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका अब भारत के मामले में ऐसी गलती नहीं करेगा। चीनी जानकारों ने नई दिल्ली के प्रति वाशिंगटन के नजरिए को 'लिमिटेड एंगेजमेंट और सीलिंग कंट्रोल' की दोहरी रणनीति बताया। उसने तर्क दिया कि अलग-अलग राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं, विश्व व्यवस्था के नजरिए, भूराजनीतिक हितों, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और राजनयिक परंपराओं से पैदा हुए गहरे ढांचागत विरोधाभासों को भारत और अमेरिका के बीच राजनयिक बातचीत या आर्थिक सहयोग से पूरी तरह हल नहीं किया जा सकता। सिंधुआ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय रणनीति संस्थान में अनुसंधान विभाग के निदेशक कियानफेग ने सोमवार को ग्लोबल टाइम्स को बताया कि पिछले दो दशकों में अमेरिका-भारत संबंधों का तेजी से विस्तार एक हद तक पहुंच रहा है, क्योंकि दोनों देश ऐसे ढांचागत विरोधाभासों का सामना कर रहे हैं जिन्हें सुलझाना मुश्किल है। ये अंतर उनके विकास के अलग-अलग चरण, रणनीतिक संस्कृति, भूराजनीतिक स्थिति, राजनयिक परंपराओं और उनके नेतृत्व के विदेश नीति आधार से पैदा होते हैं।